दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 216

ग्वालियर, मंगलवार, 26 अप्रैल, 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

चीन को सबक सिखाने भारत इजरायली एंटी टैंक मिसाइलों की करेगा तैनाती

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर चीन के साथ जागी गतिरोध को दो साल से अधिक का समय हो गया चल पर समस्या अभी तस की तस हो गई है। लंबे सैन्य टकराव को देखते हुए भारत ने अब अपनी रक्षा तैयारियों को तेज करने का काम हर मोर्चे पर शुरू कर दिया है। सेना और वायुसेना ने अब लंबी दूरी तक मार करने वाली इजरायली एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) को शामिल करना शुरू कर दिया है। रूस और यूक्रेन की जंग में इस तरह की मिसाइलों को मारक क्षमता काफी ज्यादा उभरकर सामने आई है। पिछले साल जब चीन के साथ सीमा विवाद बहुत तेज था तो इमरजेंसी खरीद के तहत इन मिसाइलों को खरीदने का आदेश जारी किया गया था।

रूस के 24 फरवरी को शुरू हुए हमले के बाद अमेरिका की बनी जेवेलिन एंटी टैंक गाइडेड मिसाइलों और पश्चिमी देशों की अगली पीढ़ी की हल्की एंटी टैंक मिसाइलों से लैस यूक्रेन के सैनिकों ने सैकड़ों रूसी टैंकों और बख्तरबंद गाड़ियों को ध्वस्त करने में सफलता हासिल की है। इजरायल की स्पाइक एंटी टैंक मिसाइलें भी ठीक इसी तरह बहुत ज्यादा घातक हैं। थल सेना एलआर-21 लांचर और मिसाइलों को शामिल कर रही है। जिसकी मारक क्षमता 5.5 किमी। है। जबकि वायुसेना रूस के एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टरों पर स्पाइक-एनएलओएस मिसाइलों को लगा रही है। जो 30 किमी. दूर से ही निशाने को तबाह कर सकती है। रक्षा विभाग के सूत्र ने बताया कि इमरजेंसी खरीद के तहत दोनों तरह की एंटी टैंक मिसाइलों की खरीद बहुत सीमित संख्या में की गई। जिससे कुछ रक्षा खामियों को दूर किया जा सके। जबकि वास्तव में भारत को बड़ी संख्या में एंटी टैंक मिसाइलों की जरूरत है। इसके लिए मेक इन इंडिया प्रोजेक्ट के तहत मिसाइलों की खरीद करने का रास्ता खोजा जा रहा है। अपनी तैयारियों को धार देने के लिए एयरफोर्स ने अमेरिका के साथ स्ट्रिंगर एयर-टू-एयर और हेल्फायर एयर-टू-ग्रांउड मिसाइलों से लैस 22 अपाचे हेलीकॉप्टरों की खरीद के 13,952 करोड़ रुपये के सौदे को सितंबर 2015 में मंजूरी दी थी। डीआरडीओ अभी अगली पीढ़ी के एंटी टैंक गाइडेड मिसाइलों के विकास के काम में लगा हुआ है। जब तक भारत की स्वदेशी एंटी टैंक गाइडेड मिसाइलों का विकास पूरा नहीं हो जाता है।

गाजीपुर मे छात्रा से रेप मामले मे 3 अन्य बीईओ सहित 7 के खिलाफ अदालत मे आवेदन

आजमगढ़/ गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के बिकास खंड मर्दह इलाके के एक बिद्यालय की तेरह वर्षीय छात्रा के साथ खंड शिक्षा अधिकारी और उसके ड्राइवर के खिलाफ दुराचार आदि की

धाराओ मे मुकदमा दर्ज होने के बावजूद मामले के विवेचक और बिभागीय अफसरों द्वारा खंड शिक्षा अधिकारी के बचाव मे पदीय अधिकारों का अधिकारियों के द्वारा किया गया दुरूपयोग अब घटना के 8 मह बाद कटघरे मे दिखने लगा है। बिभागीय सूत्रों के अनुसार बिकास खंड मरदह के एक बिद्यालय की तरह वर्षीय छात्रा के साथ इलाके के खंड शिक्षा अधिकारी के ड्राइवर द्वारा अक्सर छेड़छाड़ किया जता था। छात्रा उनके ड्राइवर की इस अपराधिक कृत्य को जब जब खंड शिक्षा अधिकारी से शिकायत के रूप मे छात्रा ने कहा तब तब खंड शिक्षा अधिकारी ने मामले को हंस के ताल दिया जाता रहा। खंड शिक्षा अधिकारी ने कभी भी होने चालक की इस अपराधिक कृत्य पर पीड़ित छात्रा के अनुसार एतराज नही किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी की इसी करतूत के कारण एक दिन उसके चालक ने बिआरसी के बगल के एक् कमरे मे छात्रा को जबरदस्ती ले जा कर उसके साथ रेप की घटना को अंजाम दे दिया गया। इस घटना के बाद और खंड शिक्षा अधिकारी और उसके चालक के खिलाफ मामले मे मुकदमा दर्ज तो कर लिया गया लेकिन मामले मे आरोपी खंड शिक्षा अधिकारी को पुलिस ने हिरासत मे लेकर छोड़ दिया गया।

एक स्वतंत्र और निडर प्रेस के बिना एक मजबूत लोकतंत्र बचा हुआ नहीं रह सकताः नायडू

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम.वेंकैया नायडू ने आज इस बात पर जोर दिया कि एक स्वतंत्र, बंधनमुक्त व निडर प्रेस के बिना कोई मजबूत और जीवंत लोकतंत्र बचा हुआ नहीं रह सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत के लिए अपने लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने को लेकर एक मजबूत, स्वतंत्र और जीवंत मीडिया की जरूरत है। नायडू ने मीडिया में मूल्यों के पतन को लेकर सावधान भी किया। उन्होंने निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ रिपोर्टिंग का आह्वान किया। नायडू ने आगे इस बात पर जोर दिया कि समाचारों को विचारों के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने बेंगलुरू प्रेस क्लब की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जब कानून

के संवैधानिक शासन को मजबूत करने की बात आती है तो एक स्वतंत्र व निष्पक्ष प्रेस, एक स्वतंत्र न्यायपालिका का पूरक होता है। उन्होंने आगे इसका उल्लेख किया कि अतीत में पत्रकारिता को एक मिशन माना जाता था, जिसमें समाचार पवित्र होते थे। श्री नायडू ने आगे इस तथ्य को रेखांकित किया कि घटनाओं की निष्पक्ष और सच्ची कवरेज व लोगों तक उनके विश्वसनीय प्रसारण पर अच्छी पत्रकारिता आधारित होती है। उपराष्ट्रपति ने खासा सुब्बा राऊ, फ्रैंक मोरिस और निखिल चक्रवर्ती जैसे पहले के कई प्रसिद्ध समाचार संपादकों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन संपादकों ने कभी भी समाचारों पर अपने विचार को हावी होने नहीं दिया और हमेशा समाचार व विचार के बीच एक लक्ष्मण रेखा का सम्मान किया। उपराष्ट्रपति ने सुझाव दिया कि आज के पत्रकारों को पत्रकारिता के उन दिग्गजों से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम और आपातकाल के दौरान बहुत योगदान दिया। श्री नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि समाचारों को विचारों से प्रभावित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे मीडियाकर्मियों को सलाह दी कि वे तथ्यों से कभी समझौता न करें और उन्हें हमेशा बिना किसी डर या पक्षपात के प्रस्तुत करें। उपराष्ट्रपति ने पिछले कुछ वर्षों में पत्रकारिता मानकों में भारी गिरावट पर चिंता व्यक्त की। श्री नायडू ने कहा कि सोशल मीडिया के हालिया उदय ने इसमें और अधिक गिरावट लाने का काम किया है। उन्होंने कहा, ÷आज हम लगातार विचार के साथ जुड़े हुए समाचार को पाते हैं। यह इतना अधिक हो गया है कि कभी-कभी किसी व्यक्ति को यह लगने लगता है कि न तो समाचार पत्र और न ही टेलीविजन चैनल कुछ घटनाओं की सही तस्वीर दिखाते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि संसद और सरकार सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों के मामले को देखें और इनसे निपटने के लिए एक प्रभावी व विश्वसनीय तरीका अपनाएं।

ईद के पहले मिस्र सरकार ने 41 कैदियों को रिहा किया

काहिरा। पवित्र रमजान महीने के समाप्त होने से एक सप्ताह पहले मिस्र सरकार ने 41 कैदियों को रिहा किया गया। इस समय आम तौर पर कैदियों को माफी दी जाती है। एक राजनीतिक दल और

आधिकारिक मीडिया ने यह जानकारी दी। राजनीतिक कार्यकर्ताओं और परिवार के सदस्यों ने कई कैदियों की रिहाई की पुष्टि की है। 'द रिफॉर्म एंड डेवलपमेंट पार्टी' ने बताया कि रिहा किए गए लोग राजनीतिक कैदी थे, जिन्हें उनके खिलाफ दर्ज मामलों में सुनवाई होने से पहले ही हिरासत में ले लिया गया था। एक खबर के अनुसार, कुल 41 कैदियों को रिहा किया गया है। सरकार के मानवाधिकार निकाय ने एक बयान में बताया कि केवल उन लोगों को रिहा किया गया है, जिन्हें उनके खिलाफ दर्ज मामलों में सुनवाई शुरू होने से पहले गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, उन्होंने इस संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। यह कदम रमजान के अंत में ईद की छुट्टी से एक हफ्ते पहले उठाया गया है। यह आम तौर पर एक ऐसा समय होता है, जब कैदियों को राष्ट्रपति की क्षमा पर रिहा किया जाता है। इस साल रिहा किए गए कैदियों की संख्या हाल के वर्षों में रिहा किए गए कैदियों में सर्वाधिक है। ऐसा कहा जाता है कि मिस्र की जेलों में हजारों राजनीतिक कैदी हैं, जिनमें अधिकतर के खिलाफ दर्ज मामलों में सुनवाई भी शुरू नहीं हुई है। रिहा होने वालों में राजनीतिक कार्यकर्ता वलीद शौकी भी हैं। उनकी पत्नी हेबा अनीस ने सोशल मीडिया पर उनके साथ एक तस्वीर साझा करते हुए यह जानकारी दी। कार्यकर्ता एसरा अब्देल फत्ताह ने बताया कि पत्रकार मोहम्मद सलाह को भी रिहा कर दिया गया है। मानवाधिकार के मामलों के वकील नाबेह एलगनादी ने रादवा मोहम्मद के साथ एक तस्वीर साझा की।

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने केजरीवाल के साथ सरकारी स्कूलों का किया अवलोकन

-बोले, बड़ी कंपनियों के सहयोग से हो रही डिजिटल शिक्षा

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सूबे में शिक्षा व्यवस्था में सुधार के मद्देनजर सोमवार को दिल्ली दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ

कालकाजी के डॉ. बीआर अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस का दौरा किया। इस दौरान भगवंत मान के साथ पंजाब सरकार के शीर्ष अधिकारी भी मौजूद रहे। जिन्हें दिल्ली के शिक्षा निदेशक हिमांशु गुप्ता ने अहम जानकारी दी। समाचार के मुताबिक, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि यह अगले स्तर की शिक्षा है। कुछ ऐसा जिसके बारे में बड़े स्कूल सोच भी नहीं सकते, उसे सरकारी स्कूलों ने लागू कर दिया है। डिजिटल शिक्षा हो रही है। बड़ी कंपनियों का सहयोग है। मैंने अमेरिका-कनाडा में ऐसे स्कूल देखे हैं लेकिन भारत में नहीं। उन्होंने कहा कि मैंने यहां कई छात्रों से बात की। उन्होंने यहां दाखिला लेने के लिए बड़े निजी स्कूलों को छोड़ दिया। उनका कहना है कि यहां सुविधाएं ज्यादा हैं। इन छात्रों के पास नए विचार हैं।

लाउडस्पीकर विवाद दिल्ली पहुंचा, केंद्र से चर्चा करेगी उद्धव सरकार

मुंबई। महाराष्ट्र में मस्जिद से लाउडस्पीकर हटाने का मांग के बाद हनुमान चालीसा से उपजा विवाद दिल्ली तक पहुंच गया है। इस मामले को लेकर शिवसेना और भाजपा आमने-सामने नजर आ रही है। इसी बीच

महाराष्ट्र सरकार ने लाउडस्पीकर मुद्दे को लेकर एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। जिसका पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने बहिष्कार किया। उन्होंने कहा कि इस बैठक में मुख्यमंत्री ही शामिल नहीं हो रहे हैं।

महाराष्ट्र सरकार की सर्वदलीय बैठक को लेकर मनसे प्रमुख राज ठाकरे को भी न्योता भेजा गया था और उनकी पार्टी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि राज ठाकरे इसमें शामिल नहीं होंगे। लाउडस्पीकर के मुद्दे पर हुई बैठक के बारे में महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आदित्य ठाकरे ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि एक प्रतिनिधिमंडल केंद्र सरकार से मिलकर इस मुद्दे के समाधान पर चर्चा करेगा। समाचार के मुताबिक, आदित्य ठाकरे ने कहा कि हम केंद्र सरकार से भी इस पर बातचीत करेंगे और क्योंकि ये सुप्रीम कोर्ट का मामला है इसलिए कोर्ट के ऑर्डर का पालन करते हुए किसी को भी तकलीफ नहीं होनी चाहिए। गृह मंत्री दिलीप पाटिल ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। अगर कोई इसका उल्लंघन करता है तो पुलिस कार्रवाई करेगी। यदि केंद्र लाउडस्पीकरों पर राष्ट्रीय स्तर का नियम बनाता है तो राज्यों में मुद्दे नहीं उठेंगे। यह निर्णय लिया गया कि एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल केंद्र से मुलाकात करेगा और इस पर चर्चा करेगा। भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि आज महाराष्ट्र के गृह मंत्री ने जो बैठक बुलाई थी हमने उसका बहिष्कार करने का फैसला किया क्योंकि पिछले 3-4 दिनों में जिस प्रकार से पुलिस का उपयोग करते हुए विरोधी पार्टी के लोगों को जान से मारने का प्रयास किया गया उसके बाद संवाद के लिए जगह कहां बचती है?

पीलीभीत में करंट लगाने से दो किसानों की मौत

पीलीभीत। उत्तरप्रदेश के पीलीभीत में दो किसानों की उस वक्त मौत हुई, जब वे कथित तौर पर नहर का गेट खोलने के लिए लोहे की रोड का इस्तेमाल कर रहे थे। दोनों उच्च वोल्टेज वाले बिजली लाइन की चपेट में आ गए। पुलिस ने कहा कि लालोर गुजरांपुर गांव में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। ये घटना उस समय हुई जब 55 वर्षीय राजेंद्र प्रसाद और 50 वर्षीय रामेश्वर दयाल सिंचाई के लिए अपने खेत में नहर का पानी लाने के लिए 20 फीट लंबी लोहे की रोड के साथ नहर का इनलेट चैनल खोल रहे थे। एसएचओ ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं परिवार के सदस्यों को मुआवजा देने के लिए मामला राज्य बिजली विभाग को भेजा गया है।

एमैनुएल मैक्रों के फिर फ्रांस के राष्ट्रपति चुने जाने पर पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। फ्रांस में संपन्न राष्ट्रपति पद के चुनाव में वर्तमान राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने एक बार फिर जीत हासिल कर ली है उन्होंने धुर दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन को करारी शिकस्त दी है। महामारी और यूक्रेन में जारी युद्ध के बीच जारी राष्ट्रपति चुनाव में मैक्रों ने उन्हें एक और मौका देने की अपील मतदाताओं से की थी। जीत के बाद उनके समर्थक खुशी से झूम उठे। एफिल टॉवर के पास लोगों ने जमकर जश्न मनाया। बंपर जीत को लेकर पूरी दुनिया के लोग एमैनुएल मैक्रों को फ्रांस का राष्ट्रपति चुने जाने के बाद बधाई दे रही हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एमैनुएल मैक्रों को उनकी जीत पर बधाई दी।

फ्रांस के राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने जाने पर इमैनुएल मैक्रों को बधाई देने के लिए पीएम मोदी ने सोमवार सुबह ट्विटर का सहारा लिया। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा, ÷मेरे मित्र इमैनुएल मैक्रों को फ्रांस के राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने जाने पर बधाई! मैं भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखने के लिए तत्पर हूं।÷ रविवार को, एमैनुएल मैक्रों ने फ्रांस के राष्ट्रपति चुनाव में प्रतिद्वंद्वी मरीन ले पेन को आराम से हरा दिया और अपनी स्थिति बरकरार रखी। गृह मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि 97 फीसदी वोटों की गिनती के साथ मैक्रों को 57.4 फीसदी वोट मिले। अपने विजय भाषण में, उन्होंने कहा, ÷इस देश में कई लोगों ने मुझे वोट दिया, वे मेरे विचारों का समर्थन करते है। मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं और जानना चाहता हूं कि आने वाले वर्षों में मैं उन पर कर्जदार हूं। फ्रांस में किसी को भी किनारे नहीं छोड़ा जाएगा। मैक्रों को बधाई देने के लिए विश्व नेताओं ने सोशल मीडिया का सहारा लिया। ब्रावो इमैनुएल यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने ट्विटर पर लिखा इस अशांत अवधि में, हमें एक ठोस यूरोप और एक फ्रांस की आवश्यकता है जो पूरी तरह से एक अधिक संप्रभु और अधिक रणनीतिक यूरोपीय संघ के लिए प्रतिबद्ध हो। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने सोमवार तड़के अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा, चुनावी जीत पर राष्ट्रपति और एक सच्चे दोस्त एमैनुएल मैक्रों को बधाई।

भीषण गर्मी ने राजस्थान में पैदा किया पानी संकट जल मंत्री के बंगले के बाहर लोगों का प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान में इन दिनों सूरज की किरणें अपनी गर्मी का कोप बरसा रही हैं। गर्मी की वजह से लोगों को पानी की किल्लत का भी सामना करना पड़ रहा है। यही कारण है कि अब उनका धैर्य जवाब दे रहा है। इन सबके बीच खबर यह है कि राजस्थान में पानी की किल्लत का सामना कर रही कुछ महिलाओं ने जल मंत्री महेश जोशी का खूब विरोध किया है। कुछ लोग तो महेश जोशी के बंगले तक भी पहुंच गए और जमकर नारेबाजी करने लगे। जनता की ओर से आरोप लगाया गया कि नेता तभी शक्ल दिखाते हैं, जब उन्हें वोट लेना होता है। लोगों की ओर से अधिकारियों का भी विरोध किया जा रहा है। फिलहाल आनन-

फानन में सरकार की ओर से पानी सप्लाई बढ़ाने के निर्देश तो दे दिए गए हैं। लेकिन ऐसा कितने दिनों तक चलेगा यह भी देखने वाली बात है। जल मंत्री का विरोध करते हुए लोगों ने कहा कि यह तो बिसलेरी की पानी पीते हैं, लेकिन हम कहां जाएं, हम किससे पीने के लिए पानी मांगे? दरअसल, पानी की कमी से राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित कई जिले जूझ रहे हैं, जिसकी वजह से आम लोगों का जीवन नरक बन गया है। अपनी चमक से दुनिया को आकर्षित करने वाली जयपुर में लोगों को लंबे समय तक बिना पानी के रहना पड़ रहा है।

खास खबर

तेल रिफाइनरी में विस्फोट, 100 से ज्यादा लोगों की मौत

अबुजा। दक्षिण-पूर्वी नाइजीरिया में अवैध तेल रिफाइनरी में हुए विस्फोट में कम से कम 100 लोगों की मौत होने की आशंका है। स्थानीय तेल अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर शवों की तलाश तेज कर दी गई है। साथ ही विस्फोट में शामिल दो संदिग्धों की तलाश भी शुरू हो गई है। नाइजीरिया के राष्ट्रपति मोहम्मदू बुहारी ने विस्फोट को एक दुर्घटना और राष्ट्रीय आपदा करार दिया है। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट शुक्रवार की रात को इमो राज्य में सरकारी क्षेत्र ओहाजी-एगबेमा में स्थित रिफाइनरी में हुआ। विस्फोट दो ईंधन भंडारण क्षेत्रों में आग लगने के कारण हुआ, जहां 100 से अधिक लोग काम करते थे। दर्जनों श्रमिक विस्फोट की चपेट में आए, जबकि कई अन्य ने भाग कर जान बचाने की कोशिश की। इमो राज्य के पेट्रोल संसाधनों के आयुक्त गुडलक ओपिया ने कहा कि आपदा में मरने वालों की संख्या 100 के आसपास है।

डब्ल्यूएचओ ने कहा, यकृत की रहस्यमयी बीमारी से बच्चे की मौत

बर्लिन। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि यूरोप और अमेरिका में बच्चों को प्रभावित करने वाली यकृत की एक रहस्यमयी बीमारी से बच्चे की मौत होने की सूचना मिली है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि उसे अब तक दर्जनभर देशों से अज्ञात स्रोत के एक्यूट हेपटाइटिस के कम से कम 169 मामलों की जानकारी मिली है। पीड़ितों में एक महीने से लेकर 16 साल तक के बच्चे शामिल हैं और बीमार पड़ने वाले 17 बच्चों को यकृत प्रतिरोपण की जरूरत पड़ी। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह नहीं बताया कि किस देश में मौत हुई है। इस बीमारी के शुरूआती मामले ब्रिटेन में सामने आए थे, जहां 114 बच्चों में इसके लक्षण दिखाई दिए। डब्ल्यूएचओ के बयान में कहा गया, यह स्पष्ट नहीं है,कि हेपटाइटिस के मामले बढ़े हैं या पहले से अधिक मात्रा में हेपटाइटिस के मामले सामने आए हैं जो पहले नहीं आते थे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामले ठंड से संबंधित वायरस के हो सकते हैं, इसपर अनुसंधान जारी है।

कांग्रेस नेता शंकरनारायणन के निधन पर सोनिया गांधी ने शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. शंकरनारायणन के निधन पर पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को शोक जताते हुए इसे राष्ट्र की क्षति बताया। कई राज्यों के राज्यपाल रह चुके शंकरनारायणन का रविवार को तिरुवनंतपुरम में उनके आवास पर निधन हो गया। वह 89 साल के थे। शंकरनारायणन महाराष्ट्र, नगालैंड और झारखंड के राज्यपाल रह चुके थे। उन्होंने राज्यपाल के रूप में अरुणाचल प्रदेश, असम और गोवा का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला था। सोनिया गांधी ने एक बयान में कहा, 'कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. शंकरनारायणन के निधन पर बहुत दुख हुआ। उन्होंने यूडीएफ के संयोजक और कई राज्यों में राज्यपाल के तौर पर जो सेवाएं दीं, उसके लिए वह हमेशा याद किए जाएंगे। उनका निधन पूरे राष्ट्र के लिए क्षति है।' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी शंकरनारायणन के निधन पर दुख जताया और कहा कि उनके योगदान को सदा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'पूर्व राज्यपाल और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शंकरनारायणन जी के निधन के बारे में सुनकर दुख हुआ। राष्ट्र और कांग्रेस के लिए उनके योगदान को लंबे समय तक याद किया जाएगा।'

पाकिस्तानी करेंसी ने उड़ाई खुफिया एजेंसियों की नींद

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की नापाक हरकत जारी है। सीधे लड़ाई में हार निश्चित देख वह आर्थिक मोर्चे पर भारत को नुकसान पहुंचाने की जुगत में लगा हुआ है। वह लगातार कोशिश करता रहा है कि हमें आर्थिक नुकसान हो। यही वजह है कि पाकिस्तान नकली नोट भारत में ला रहा है। इसके लिए वह नेपाल के रास्ते का इस्तेमाल कर रहा है। ताजा जानकारी सामने आई है कि आरोपित नेपाल सीमा से बिहार होते हुए नकली नोट देश की राजधानी दिल्ली लाते हैं और फिर स्थानीय बाजारों में ये नकली नोट चलाए जाते हैं। दरअसल, नई दिल्ली जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ ने साप्ताहिक बाजारों और छोटे दुकानों में दो हजार के नकली नोट खपाने वाले एक रैकेट का भंडाफोड़ किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने एक महिला और उसके साथी पुलिस के पास से 2 हजार के 1.41 लाख मूल्य के नकली नोट बरामद किए हैं। यह भी जानकारी सामने आई है कि आरोपित नेपाल सीमा से बिहार होते हुए नकली नोट दिल्ली लेकर आते थे। दोनों को पहले भी दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल गिरफ्तार कर चुकी है। जेल से बाहर आते ही उन्होंने फिर से यह काम शुरू कर दिया था।

न्यूज़ ट्रैक....

49 साल के हुए सचिन, साथी खिलाड़ी व प्रशंसकों ने दी बधाई

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर रविवार 24 अप्रैल को 49 साल के हो गये। इस अवसर पर सचिन को साथी खिलाड़ियों के साथ ही प्रशंसकों ने भी सोशल मीडिया पर बधाई दी है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मध्य क्रम के बल्लेबाज एस बद्रीनाथ ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम से तमिल में उन्हें बधाई संदेश दिया है। वहीं स्पिनर प्रज्ञान ओझा ने तेंदुलकर के साथ अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है। 50 के क्लब में सचिन का स्वागत करते हुए पूर्व क्रिकेटर, अभिनेता और मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के मुख्य चयनकर्ता सलिल अंकोला ने सचिन के साथ एक तस्वीर साझा की और जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। वहीं क्रिकेटर अरविंद यादव ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में लिखा, देश का गौरव और करोड़ों लोगों के सपनों को साकार करने की भावना!! सचिन ने 16 साल की उम्र में साल 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने नवंबर 2013 में खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

भारत-दक्षिण अफीका टी20 क्रिकेट सीरीज का कार्यक्रम घोषित

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 के बाद जून में इंडिया दक्षिण अफीका के खिलाफ पांच मैचों की घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। इसका पहला मुकाबला 9 जून को नई दिल्ली में खेला जाएगा। सीरीज का अंतिम मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस सीरीज का कार्यक्रम भी घोषित कर दिया गया है। यह 2022 में घरेलू धरती पर भारतीय टीम की तीसरी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज रहेगी। ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप कप 2022 को देखते हुए यह अहम मानी जा रही है। इससे भारतीय टीम को अपनी तैयारियों का आंकलन करने के साथ ही अपनी बैंच स्ट्रेंथ की क्षमता देखने का भी अवसर मिलेगा। वहीं इस दौरे को लेकर क्रिकेट दक्षिण अफीका के सीईओ फोलेत्सी मोसेकी ने कहा कि हम सत्र में इस अवसर का उपयोग करने के लिए तैयार हैं। इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप और अगले साल भारत में आईसीसी विश्व कप होने वाला है। ऐसे में यह हमारी टीम के लिए एक विशाल सफेद गेंद का दौरा है। उन्होंने कहा कि यह कहने की जरूरत नहीं है कि खेल का समय हमारी टीम के लिए अहम है क्योंकि वे अपने संयोजन को सही करना चाहते हैं। हम एक बेहतर सीरीज के लिए तैयार हैं। भारत और दक्षिण फ्रीका टी20 सीरीज का कार्यक्रम :

पहला टी20 :	9 जून, नई दिल्ली
दूसरा टी20 :	12 जून, कटक
तीसरा टी20 :	14 जून, विजाग
चौथा टी20 :	17 जून, राजकोट
पांचवां टी20 :	19 जून, बेंगलुरु ।

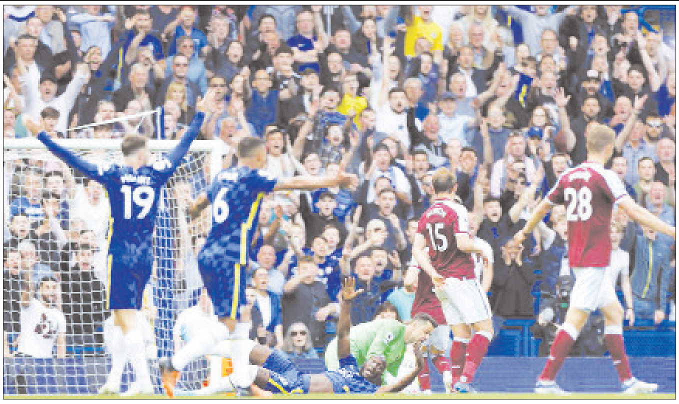

लंदन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में वेस्ट हैम के क्रेगडाउसन ने चेलेसा के रोमिलो को गिरा दिया जिस कारण उन्हें रेड कार्ड दिखाया गया।

उपराष्ट्रपति ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का उद्घाटन किया

बेंगलुरू । उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कर्नाटक के बेंगलुरू शहर में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का उद्घाटन किया है। इस कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री कर्नाटक बसवराज बोम्मई, राज्यपाल थावर चंद गहलोत और केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में ठाकुर ने कहा कि हार और जीत खेल का हिस्सा है। सबसे अहम है कि आप खेल भावना का सम्मान करें। मुझे भरोसा है कि पिछली बार की तरह इस बार भी जो छात्र यूनिवर्सिटी खेलों में भाग ले रहे हैं। वह भविष्य में देश के लिए खेलते हुए नजर आयेंगे। वहीं मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि यूनिवर्सिटी एक ऐसी जगह है जहां आपको हर क्षेत्र में बेहतर होने का अवसर मिलता है। यही समय है जब आपको बाहर निकलकर अपनी प्रतिभा के अनुसार कार्य करने चाहिये। इस दौरान आप जो भी असंभव हो उसे अपने प्रयास से संभव कर सकते हैं। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन कोरोना महामारी के कारण एक साल के विलंब से हो रहा है। इसमें 200 से अधिक यूनिवर्सिटी के 4,000 से अधिक खिलाड़ी 20 खेलों में भा ले रहे हैं। इसमें तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, तलवारबाजी, फुटबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, निशानेबाजी, तैराकी, टेनिस जैसे खेल होंगे।

टीम इंडिया में वापसी मेरे हाथों में नहीं :पंड्या

मुंबई । आईपीएल टीम गुजरात टाइटन्स के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा है कि अभी उनका ध्यान आईपीएल मुकाबलों पर ही है और वह टीम इंडिया में वापसी को लेकर नहीं सोच रहे हैं। पंड्या ने साथ ही कहा कि उनका लक्ष्य अभी आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा क्योंकि टीम इंडिया में वापसी उनके हाथों में नहीं है। पंड्या ने अभी तक आईपीएल में तीन अर्धशतक लगाने के साथ ही अच्छी गेंदबाजी की है जिससे वह एक बार फिर टीम में जगह पाने वाले दावेदारों में शामिल हो गये हैं। पंड्या ने कहा, ''पहली बात तो मुझे नहीं लगता कि यह (भारतीय टीम में वापसी) मेरे हाथों में है और दूसरी बात मेरा ध्यान वापसी पर नहीं है। मैं जिस मैच में खेलता हूं, उसी पर ध्यान लगाता हूं। ''यह ऑलराउंडर तकरीन एक साल से टीम से बाहर है। उन्होंने अंतिम बार भारत के लिये पिछले साल नवंबर में दुबई में टी20 विश्व कप में नामीबिया के खिलाफ खेला था। वह पीठ की सर्जरी के बाद से ही गेंदबाजी नहीं कर पाये थे, इस कारण टीम में उन्हें जगह नहीं मिल पा रही थी। पंड्या ने कहा, ''इस समय मैं आईपीएल में खेल रहा हूं और मेरा ध्यान आईपीएल पर ही लगा है, फिर देखते हैं कि भविष्य कहां ले जाता है। यह अभी मेरे हाथों में नहीं है। मैं उस टीम पर ध्यान लगाता हूं जिसके लिये मैं खेल रहा हूं।

मुम्बई के पूर्व क्रिकेट राजेश वर्मा का निधन

मुंबई । मुंबई के पूर्व क्रिकेटर राजेश वर्मा का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। वह 40 वर्ष के थे और और 2006-07 रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने वाली मुम्बई टीम में शामिल थे। टीम के ही एक पूर्व सदस्य भाविन ठक्कर ने राजेश के निधन की पुष्टि की है। अपने करियर में केवल सात प्रथम श्रेणी मैच खेले तेज गेंदबाज राजेश 2006-07 में मुंबई की रणजी ट्रॉफी चैम्पियन टीम में शामिल थे। उन्होंने साल 2002-03 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था और पंजाब के खिलाफ 2008 में ब्रेबोर्न स्टेडियम में आखिरी मैच खेला था। उन्होंने 7 मैचों में 23 विकेट लिए थे। 97 रन देकर पांच विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इसके अलावा उन्होंने 11 'लिस्ट ए' मैच खेलकर 20 विकेट लिए थे।

7.30 बजे से शुरू होगा आईपीएल

सीएसके व पंजाब किंग्स जीत के इरादे से उतरी मैदान

मुंबई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स पर जीत के इरादे से उतरेगी। पिछले मैच में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के करिश्मे से टीम को अंतिम ओवर में जीत मिली थी। सीएसके को उम्मीद रहेगी कि धोनी उसी प्रकार का प्रदर्शन फिर करें। सीएसके को अगर इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो उसे सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। सीएसके की टीम के लिए प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने के लिए इस मैच में जीत जरुरी है। सीएसके ने अबतक दो मैच ही जीते हैं जबकि पंजाब ने तीन , इस प्रकार अंकतालिका पर नजर डालें तो पंजाब की टीम आठवें स्थान पर है जबकि सीएसके नौवें स्थान पर है।

सीएसके का दावा इस मैच में कमजोर नजर आता है क्योंकि कप्तान रविन्द्र जडेजा सहित उसे प्रमुख बल्लेबाज अबतक नाकाम रहे हैं। गेंदबाजी के अलावा उसके गेंदबाज भी प्रभाव नहीं छोड़ पाये हैं।पिछले मैच में मुंबई इंडियंस पर तीन विकेट से मिली शानदार जीत उसे धोनी के बल पर ही मिली थी।

सीएसके टीम के लिए राहत की बात यह है कि मुंबई के खिलाफ मुकाबले में उसके गेंदबाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया था। तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी ने तीन विकेट लिए। वहीं ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने भी अपनी लय हासिल की। टीम को हालांकि दीपक चाहर और एडम मिल्ने की कमी महसूस हो रही है। श्रीलंकाई स्पिनर महीश तीक्षणा ने भी अब तक अच्छी गेंदबाजी की है। टीम के युवा सलामी बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ ने भी अब तक एक बार ही अर्धशतक लगाया है और अब उन्हें इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। ऑलराउंडर मोईन अली को टीम ने मोटी रकम में खरीदा था पर वह नाकाम रहे हैं। इसके अलावा शिवम दुबे को भी अधिक जिम्मेदारी से खेलना होगा।

वहीं दूसरी ओर कप्तान मयंक अग्रवाल की पंजाब की टीम की राह भी आसान नहीं लगती। पिछले मैच में उसे दिल्ली कैपिटल्स के हाथों 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। मयंक को छोड़कर उसके अन्य बल्लेबाजों में निरंतरता की कमी देखी गयी है। अब तक शिखर धवन, लियाम लिविंगस्टान और शाहरूख खान अच्छी पारियां नहीं खेल पाए हैं जबकि जॉनी बेयरस्टॉ को चार मौके मिले और वह चारों में ही विफल रहे। गेंदबाजी में पंजाब के पास कैगिसो रबाडा और ओडियन स्मिथ जैसे खिलाड़ी है। अर्शदीप सिंह भी अच्छे फॉर्म में हैं। इसके अलावा युवा वैभव अरोड़ा को अपनी ओर से होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स

महेंद्र सिंह धोनी, रविंद्र जडेजा (कप्तान), मोइन अली, रुतुराज गायकवाड़, ड्वेन ब्रावो, दीपक चाहर, अंबाती रायडू, रॉबिन उथप्पा, मिशेल सेंटनर, क्रिस जॉर्डन, एडम मिल्ने, डेवोन कॉनवे, शिवम दुबे , ड्वेन प्रिटोरियस, महेश तीक्ष्णा, राजवर्धन हैंगरगेकर, तुषार देशपांडे, केएम आसिफ, सी हरि निशांत, एन जगदीसन, सुब्रांशु सेनापति, के भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, सिमरजीत सिंह, मुकेश चौधरी।

पंजाब किंग्स

शिखर धवन, मयंक अग्रवाल (कप्तान), अर्शदीप सिंह, कागिसो रबाडा, जॉनी बेयरस्टो, राहुल चाहर, हरप्रीत बरार, एम शाहरुख खान, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, इशान पोरेल, लियाम लिविंगस्टोन, ओडियन स्मिथ, संदीप शर्मा, राज अंगद बावा, ऋषि धवन, प्रेरक मांकड़, वैभव अरोड़ा, रितिक चटर्जी, बलतेज ढांडा, अंश पटेल, नाथन एलिस, अथर्व ताइडे, भानुका राजपक्षे और बेनी हॉवेल।

व्यापार न्यूज

पापुआ न्यू गिनी भारत से कॉफी पर आयात शुल्क घटाने को कहेगा

कोलकाता । बेहतरीन किस्म की कॉफी के लिए मशहूर पापुआ न्यू गिनी भारत सरकार से कॉफी पर आयात शुल्क को 110 फीसदी से घटाने का अनुरोध करेगा। दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) के भारत स्थित उच्चायुक्त पॉलियास कोर्नी ने कहा कि उनके यहां से आयात की जाने वाली कॉफी पर काफी ऊंची दर से शुल्क लग रहा है। हम भारत सरकार से पीएनजी कॉफी के आयात शुल्क को कम करने का अनुरोध करेंगे। उम्मीद करते हैं कि दोनों देशों के बीच दोहरे कराधान से बचने का समझौता जल्द ही पूरा हो जाएगा। दोनों देश इस कराधान समझौते पर काम कर रहे हैं। एक अनिवासी भारतीय उद्यमी ने कहा कि ऊंचे आयात शुल्क की वजह से भारत के लोग पीएनजी कॉफी के स्वाद से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि वह पूरे भारत में पीएनजी कॉफी के 300 आउटलेट खोलना चाहते हैं लेकिन ऊंचा आयात शुल्क इसमें एक बड़ी बाधा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि शुल्क में कमी होने से पापुआ न्यू गिनी के 20 लाख किसानों को मदद मिलेगी।

देश के तेल आयात पर खर्च 119 अरब डालर

नई दिल्ली । देश का कच्चे तेल के आयात पर खर्च मार्च में समाप्त हुए वित्त वर्ष 2021-22 में लगभग दोगुना होकर 119 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसकी वजह मांग में वृद्धि और यूक्रेन में युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी है। भारत तेल की खपत और आयात करने के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। तेल मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के बीच भारत ने तेल के आयात पर 119.2 अरब डॉलर खर्च किए। इससे पिछले वर्ष की समान अवधि में उसका तेल आयात बिल 62.2 अरब डॉलर रहा था। मार्च माह में जब तेल की कीमतें 14 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, तब अकेले इस महीने में ही भारत ने तेल आयात पर 13.7 अरब डॉलर खर्च किए, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह खर्च 8.4 अरब डॉलर था। वैश्विक स्तर पर तेल के दाम जनवरी से बढ़ने शुरू हुए थे और फरवरी में ये 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गए। मार्च महीने की शुरुआत में तेल की कीमत 140 डॉलर प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। हालांकि उसके बाद कीमतों में गिरावट आने लगी और अब यह करीब 106 डॉलर प्रति बैरल पर है। पीपीएसी के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने 21.221 करोड़ टन कच्चे तेल का आयात किया, जबकि इससे पिछले वर्ष 19.65 करोड़ टन तेल आयात किया था। हालांकि यह महामारी से पहले के वर्ष 2019-20 के मुकाबले कम है जब 22.7 करोड़ टन तेल आयात किया गया था। तब तेल आयात पर 101.4 अरब डॉलर खर्च हुए थे।

ओएनजीसी की मुंबई हाई से तेल और गैस उत्पादन बढ़ाने दो परियोजनाएं शुरू

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने तेल क्षेत्र मुंबई हाई फील्ड्स से अतिरिक्त 75 लाख टन तेल उत्पादन और एक अरब घन मीटर (बीसीएम) गैस उत्पादन के लिए 6,000 करोड़ रुपए की लागत से दो परियोजनाएं शुरू की हैं। ओएनजीसी ने कहा कि मुंबई हाई साउथ रिडेवलपमेंट फेज-4 के हिस्से के रूप में 3,740 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक 8- लेग्ड वॉटर इंजेक्शन कम लिविंग क्वार्टर मंच बनाया गया है जबकि 2,292.46 करोड़ रुपए की लागत से मुंबई हाई में क्लस्टर-8 मार्जिनल फील्ड डेवलपमेंट परियोजना पूरी की गई। इस बयान के मुताबिक इन दोनों परियोजनाओं से 75 लाख टन तेल और एक अरब घन मीटर गैस का अतिरिक्त उत्पादन होगा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हाल ही में पश्चिमी तट पर स्थित इन परियोजनाओं को देश को समर्पित किया। बयान के मुताबिक इन दोनों परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए पुरी ने ओएनजीसी दल की सराहना की है।

सप्ताह के पहले दिन ही शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स में 700 की गिरावट, निफ्टी भी कमजोर

मुंबई । कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार में बीते सप्ताह की गिरावट का असर देखने को मिला और दोनों इंडेक्स लाल निशान पर खुले। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 711 अंक फिसलकर 56, 486 के स्तर पर खुला, जबकि नेशननल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी ने 226 अंक की गिरावट के साथ 16,946 के स्तर पर कारोबार शुरू किया। बाजार खुलने के साथ लगभग 737 शेयरों में तेजी आई है, 1553 शेयरों में गिरावट आई है और 127 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस दौरान निफ्टी पर आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड कॉर्प और एनटीपीसी प्रमुख लाभ वाले शेयरों में से थे, जबकि ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, अपोलो हॉस्पिटल्स, एचयूएल, बीपीसीएल और इंडसइंड बैंक के शेयर गिरावट के साथ खुले। इससे पहले बीते सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार लाल निशान पर खुलकर दिनभर के कारोबार के बाद आ?खिरी में गिरावट के साथ बंद हुआ था। बीएसई का सेंसेक्स 714 अंक फिसलकर 57,197 के स्तर पर बंद हुआ था, जबकि एनएसई का निफ्टी सूचकांक 221 अंक टूटकर 17,172 के स्तर पर बंद हुआ था।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में गिरावट

मुंबई । क्रिप्टोकरेंसी बाजार में सोमवार को सुबह 2.02 फीसदी की गिरावट आई है। वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप घटकर 1.81 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया है। बिटकॉइन की कीमत एक बार फिर से गिरकर 40 हजार डॉलर के नीचे नहीं चली गई है। बेंड नाम के कॉइन में पिछले 24 घंटों के दौरान 702.30 फीसदी का उछाल आया है। काइन का मार्केट कैप के आंकड़ों के हिसाब से सोमवार को सुबह बिटकॉइन 1.44 फीसदी गिरकर 39,147.34 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। इथेरियम की कीमत पिछले 24 घंटों में 2.94 फीसदी गिरकर 2,867.65 डॉलर रह गई है। पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा उछलने वाले टोकन्स में बेंड, वाल्टर इनू और फोनिक्स टोकन शामिल रहे। लूफी नाम की क्रिप्टोकरेंसी में 675.27 प्रतिशत का उछाल आया है। जीएसकेवाय में 360.98 फीसदी की वृद्धि देखने को मिली है। बेंड डेओ पिछले 24 घंटों के दौरान 702.30 फीसदी तक उछल गई है।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । एमसीएक्स पर सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने और चांदी की कीमत में गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 0.44 फीसदी की गिरावट लेते हुए 52,030 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गई, जबकि चांदी के दाम में 1.21 फीसदी की कमी आई और इसका भाव गिरकर 67,741 रुपए प्रति किलोग्राम रह गया है। इससे पहले शुक्रवार को वायदा बाजार में सोने और चांदी के भाव में तेजी देखी गई। एमसीएक्स में जून महीने की डिलिवरी के लिये सोने का भाव 187 रुपए बढ़कर 52,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ था। हालांकि चांदी में गिरावट आई थी। पिछले कारोबारी सत्र में 999 शुद्धता वाला सोना 52821 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बिका। वहीं 999 शुद्धता वाली चांदी 67184 रुपए प्रति किलो के भाव पर बिकी। यहां बता दें कि आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है।

मैं अन्य विदेशियों को भारतीय फिल्मों में अच्छा प्रदर्शन करते देखकर खुश हूं: एली अवराम

मूल रूप से स्वीडन के स्टॉकहोम की रहने वाली अभिनेत्री एली अवराम का कहना है कि समय के साथ बॉलीवुड में ज्यादातर विदेशी लोगों को स्वीकार किया जा रहा है और उन्हें बेहतर भूमिकाएं मिल रही हैं। किस किसको प्यार करूं, मिकी वायरस और मलंग जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं अभिनेत्री का कहना है कि दुनिया भर में कई लोग बॉलीवुड का हिस्सा बनने के लिए मरते हैं। उन्होंने बताया मैं अन्य विदेशियों को इतना अच्छा करते हुए और भारतीय फिल्म उद्योग में इतना प्यार और प्रशंसा प्राप्त करते हुए देखकर बहुत खुश हूं। बॉलीवुड में कुछ ऐसा है जिसे दुनिया भर में बहुत से लोग प्यार करते हैं और सचमुच मरते हैं! मैं उनमें से एक हूं। अभिनेत्री ने कहा कि वह हमेशा से बॉलीवुड का हिस्सा बनना चाहती थीं। मुझे बचपन से ही सिनेमा से प्यार हो गया था और मैंने हमेशा उस एक विदेशी अभिनेत्री की तलाश की, जो मुझे प्रेरित कर सके और मुझे उम्मीद दे, क्योंकि मैंने भारतीय होने के बावजूद बॉलीवुड में काम करने का सपना देखा था। और मैं कभी नहीं भूलती जब मैंने लव आज कल देखी थी और उसमें एक ब्राजीलियाई लड़की थी जिसने एक भारतीय किरदार निभाया था (2009 की रिलीज में गिसेली मोंटेइरो को संदर्भित करता है)। जैसे ही मैं स्टॉकहोम में सिनेमा से बाहर निकली, मैंने बस अपने आप से कहा, अगर वह ऐसा कर सकती है, तो मैं भी कर सकती हूं। अभिनेत्री का कहना है कि जब से वह इसका हिस्सा बनी हैं, फिल्म उद्योग में काफी बदलाव आया है। उन्होंने कहा, जिस दिन से मैं बॉलीवुड में आई हूं, अब तक चीजें खुल गई हैं और काफी बदल गई हैं। मुझे कई प्रस्ताव मिले हैं, जहां मुझे कभी-कभी तारीखों के टकराव के कारण चुनना पड़ता है कि मुझे क्या करना है। जब ऐसा होता है, तो मुझे खुशी होती है क्योंकि इससे मुझे पता चलता है कि आपकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा आखिर में भुगतान करती है। उन्होंने कहा, मेरे पास कुछ नया है, मैं काम के हिसाब से उत्साहित हूं।

बनते-बनते रह गई थी सोनाक्षी सिन्हा और शाहरुख खान की जोड़ी, हैप्पी न्यू ईयर में करने वाले थे रोमांस

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और कोरियाग्राफर- निर्देशक फराह खान की ना सिर्फ अच्छी दोस्त हुआ करती थीं बल्कि सोनाक्षी उन्हें अपनी बड़ी बहन की तरह प्यार भी करती थीं. फिर वो वक्त आया जब फरहा खान एक फिल्म प्रड्यूस कर रही थीं जिसका नाम था जोकर. इस फिल्म को फराह के पति शिरीष कुंदर डायरेक्ट कर रहे थे जिसके लिए फराह ने अक्षय कुमार और अपनी दोस्त सोनाक्षी सिन्हा को कास्ट कर लिया. रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म की शूटिंग के दौरान शिरीष कुंदर और अक्षय कुमार के रिश्तों में खटास आनी शुरू हो गई थी. बहरहाल, जब फिल्म जोकर के प्रमोशन का वक्त आया तो अक्षय कुमार ने इससे किनारा कर लिया, जिसके बाद सोनाक्षी ने कुछ जगह अकेले ही इस फिल्म का प्रमोशन किया. रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वजह से फराह खान ने सोनाक्षी को अपने दोस्तों की लिस्ट से बाहर कर दिया, क्योंकि फराह को लगा कि अक्षय की वजह से सोनाक्षी ने उनके पति की फिल्म को इम्पोर्टेंस नहीं दी. रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म जोकर की शूटिंग के दौरान फराह खान ने सोनाक्षी को बताया था कि वो एक और फिल्म बना रही हैं हैप्पी न्यू ईयर जिसमें शाहरुख खान हीरो होंगे. इतना ही नहीं उन्होंने इस फिल्म में सोनाक्षी को कास्ट करने का वादा भी किया था।

रणवीर सिंह फिल्म 'सीता' में बन सकते हैं 'रावण'

अभिनेता रणवीर सिंह को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है. रिपोर्ट्स के अनुसार, रणवीर सिंह से एक पौराणिक पृष्ठभूमि पर बनने जा रही फिल्म के लिए संपर्क किया गया है. यह फिल्म 'बाहुबली' के राइटर केवी विजेंद्र प्रसाद द्वारा लिखी गई है. इस फिल्म का टाइटल है- 'सीता'. रणवीर के फैंस को यह जानकर बहुत हैरानी होगी कि उनके चहेते स्टार को अब बड़े पर्दे पर 'रावण' के तौर पर दिखाने की तैयारी चल रही हैं. अगर सब ठीक रहा तो रणवीर फिल्म 'सीता' में रावण का किरदार निभाते हुए नजर आ सकते हैं. इस बीच यह भी खबरें है कि दीपिका पादुकोण, ऋतिक रोशन और महेश बाबू को लेकर भी एक पौराणिक कथा पर आधारित फिल्म की तैयारी चल रही हैं, जिसका टाइटल रामायण हैं. अब आप सोच रहे होंगे कि रणवीर सिंह को जिस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया है, वह रामायण से कैसे अलग है. तो आपको बता दें कि जब भी हमने टीवी पर राम और सीता की कहानी देखी है, उसे हमेशा ही भगवान राम के परिपेक्ष्य से दिखाया गया है. फिल्म सीता के जरिए पहली बार दर्शक उस भाव को महसूस करेंगे, जो कि सीता मां ने किया था. इस फिल्म को सीता मां के परिपेक्ष्य से दर्शाया जाएगा. वहीं, सीता के किरदार के लिए करीना कपूर और आलिया भट्ट को लेकर विचार चल रहा है. सूत्रों के हवाले से अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि फिल्म सीता को बड़े पैमाने पर स्थापित करने की तैयारी चल रही है. फिल्म का स्केल बाहुबली जितना बड़ा होगा. सीता की भूमिका के लिए करीना और आलिया के बीच टॉस-अप है. निर्माताओं ने रावण की भूमिका निभाने के लिए रणवीर सिंह से संपर्क किया है. अगर करीना को साइन किया जाता है और रणवीर भी हां कर देते हैं, तो यह दोनों की साथ में पहली फिल्म होगी. करीना और रणवीर दोनों को ही अपने किरदार पसंद आए हैं, लेकिन अभी फाइनल नैरेशन का इंतजार है, जिसके बाद ही प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाया जाएगा. रणवीर अगर इस फिल्म के लिए हां करते हैं, तो यह केवल उनकी करीना के साथ पहली फिल्म ही नहीं होगी, बल्कि पद्मावत के बाद यह दूसरी फिल्म होगी, जिसमें वह नकारात्मक भूमिका में नजर आएंगे. पद्मावत में शानदार एक्टिंग से रणवीर ने हर किसी को प्रभावित किया था. ऐसा लगता है कि रावण का किरदार निभाकर वह एक बार फिर से दर्शकों के दिलों और दिमाग पर अमिट छाप छोड़ना चाहते हैं।

रणबीर कपूर नहीं बल्कि अक्षय कुमार बनना चाहती हैं आलिया भट्ट खुद बताई वजह

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने साल 2012 में करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से फिल्म इंडस्ट्री में धमाकेदार एंट्री की थी. इस फिल्म की सफलता के बाद आलिया एक के बाद एक बड़ी फिल्मों में दिखाई दे रही हैं. इन दिनों आलिया भट्ट अपनी फिल्मों के अलावा रणबीर कपूर के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में हैं. यूं तो आलिया भट्ट अपने अब तक के करियर में कई बड़े हीरो के साथ काम कर चुकीं हैं लेकिन कम ही लोगों को पता है कि वो अक्षय कुमार की बहुत बड़ी फैन हैं और इस बात का खुलासा उन्होंने अपने एक इंटरव्यू के दौरान किया था. भले ही अक्षय कुमार और आलिया भट्ट ने अब तक साथ में कोई फिल्म नहीं की है लेकिन आलिया, खिलाड़ी कुमार की लाइफ से काफी इंस्पायर्ड रहती हैं. आपको बता दें कि कुछ साल पहले एक इंटरव्यू में जब आलिया भट्ट से सवाल पूछा गया कि अगर किसी दिन वो सुबह उठे और कोई मेल कलाकार बन जाएं तो कौनसा एक्टर बनना पसंद करेंगी? इस सवाल पर आलिया ने बिना देर लगाए अक्षय कुमार का नाम लिया और बताया कि उन्हें अक्षय कुमार का लाइफस्टाइल काफी पसंद हैं. वो सुबह जल्दी उठते हैं, जल्दी सोते हैं. उनकी जिंदगी शानदार है और यही वजह है कि मैं अक्षय कुमार बनना चाहूंगी.वैसे ये कहना गलत नहीं होगा कि अक्षय कुमार अपनी लाइस्टाइल से करोड़ों लोगों को प्रेरणा देते हैं और आलिया भट्ट भी उनमें से एक हैं. बात करें आलिया भट्ट के वर्कफ्रंट की तो जल्द ही वो फिल्म आरआरआर में अजय देवगन के साथ अहम किरदार में नजर आएंगी. साथ ही आलिया संजय लीला भंसाली की मचअवेटेड फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोर रही हैं।

प्रोजेक्ट चुनते समय मैं ऐसी चीजें चुनता हूं जो मुझे सोने न दें : सुनील ग्रोवर

अभिनेता सुनील ग्रोवर ने सनफ्लावर में अपनी भूमिका के लिए लगभग 8.1 किलो वजन कम किया है। उनकी ये थ्रिलर सीरीज जल्द रिलीज हो जाएगी। उन्होंने अपनी नई परियोजना के बारे में वादा करते हुए कहा यह तांडव या इससे पहले की किसी भी चीज के साथ मैंने जो किया है, उससे बहुत अलग है। एक प्रोजेक्ट चुनते समय, मैं यह तय करता हूं कि मैं ऐसी चीजें चुनूं जो मेरी नींद उड़ा दें और शूटिंग से कुछ दिन पहले मुझे सोने न दें, और फिर मेरा काम धमाकेदार होता है। अपने चरित्र सोनू को रोमांचक बताते हुए, सुनील ने बाकी कलाकारों के बारे में कहा, हमें रणवीर शौरी, गिरीश कुलकर्णी, आशीष विद्यार्थी, मुकुल चड्ढा और शोनाली नागरानी जैसे कलाकारों में कुछ जबरदस्त कलाकार मिले, साथ ही मेरे निर्देशक विकास बहल ने बहुत ही जबरदस्त काम किया है। शो में राधा भट्ट, आशीष कौशल, शोनाली नागरानी और सलोनी खन्ना भी शामिल हैं। सीरीज मुंबई में एक मध्यवर्गीय हाउसिंग सोसाइटी की कहानी बताती है जिसे सनफ्लावर कहा जाता है।

इस साल के आखिर तक शादी का प्लान है: भाविनी पुरोहित

अभिनेत्री भाविनी पुरोहित मुंबई के बिजनेसमैन धवल दवे के साथ रिश्ते में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि दोनों इसी साल के आखिर तक शादी करने का प्लान बना रहे हैं। अभिनेत्री ने कहा है कि दोनों की शादी पिछले साल होने वाली थी, लेकिन महामारी के चलते इसे टाल दिया गया। भाविनी का कहना है, हमने एक साल तक के लिए अपनी शादी को टाल दिया था, लेकिन अब जब आखिरकार स्थिति सुधर रही है, तो हो सकता है कि हम इस साल के अंत तक शादी कर ले। अभिनय की बात करें, तो साथ निभाना साथिया और जाना ना दिल से दूर जैसे धारावाहिकों का हिस्सा रह चुकीं इस अभिनेत्री का कहना है कि वह जल्द से जल्द काम पर लौटना चाहती हैं। भाविनी कहती हैं, अपने लास्ट शो को किए हुए मुझे काफी वक्त हो चुका है। यह मेरे लिए एक लंबा ब्रेक रहा। मैंने ऐसे किसी ब्रेक के लिए प्लान नहीं किया था, लेकिन ऐसा हुआ और अब मैं और ब्रेक नहीं लेना चाहती। मेरे मंगेतर का अपना बिजनेस है, लेकिन वह भी शोबिज से जुड़ना चाहता है। काश हम एक-दूसरे के अपोजिट कास्ट हो।

सूखे ब्रश से स्क्रब करें, किन नियमों का पालन करना है? मालूम करें

नहाते समय स्क्रब करना लेकिन त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है। और अगर इस स्क्रब को 'ड्राई ब्रश' की मदद से किया जाए तो आपकी त्वचा की कई समस्याएं दूर हो सकती हैं। टैन की समस्या दूर होती है। आपकी त्वचा कोमल, कोमल होगी। सिर्फ अंगों को ही नहीं बल्कि पूरे शरीर को स्क्रब करने की जरूरत होती है। आप अलग से पैक लगाकर भी अपने चेहरे को स्क्रब कर सकते हैं। और अगर आप स्क्रब करते समय थोड़े से जैतून के तेल का उपयोग कर सकते हैं, तो आपकी त्वचा बहुत कोमल और कोमल हो जाएगी।

ड्राई ब्रश स्क्रबिंग के क्या फायदे हैं?

त्वचा को एक्सफोलिएट करें-चमक तभी वापस आएगी जब आपकी त्वचा की मृत कोशिकाएं हट जाएंगी। इसलिए सूखे ब्रश से स्क्रब करने से आपकी त्वचा एक्सफोलिएट हो जाती है। यानी मृत कोशिकाओं को हटा दिया जाता है। यह त्वचा की चमक को पुनर्स्थापित करता है। ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है-सूखे ब्रश से स्क्रब करने से आपके शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। इससे त्वचा अच्छी रहती है। तरह-तरह की परेशानियां दूर होती हैं। त्वचा पर जमा अतिरिक्त तेल और अन्य अशुद्धियों को स्क्रब करके हटाया जा सकता है। हालांकि, ऐसे में हल्के हैंड ब्रश का इस्तेमाल करें। जोर से रगड़ने से त्वचा को नुकसान होगा। त्वचा खुरदरी हो सकती है। त्वचा को मॉइस्चराइज करना सुनिश्चित करें। नहाने से पहले स्क्रब करें। और नहाने के बाद क्रीम लगाएं। त्वचा को मॉइस्चराइजर की बहुत जरूरत होती है। नहीं तो स्क्रब करने के बाद त्वचा खुरदरी और रूखी हो सकती है। स्क्रब करते समय तेल का प्रयोग अवश्य करें। अगर आप घर पर पैक या स्क्रबर बनाकर उसे स्क्रब करते हैं, तो आप उसमें थोड़ा सा जैतून का तेल या शहद मिला सकते हैं। मुलायम ब्रश का इस्तेमाल करें। नहीं तो त्वचा को नुकसान हो सकता है। और स्क्रब करते समय अपने हाथों से ब्रश को धीरे से त्वचा पर लगाएं।

जानिए लंबे बालों को घना करने का आसान तरीका

घने लंबे बाल हर किसी को पसंद होते हैं, लेकिन अपने बालों को ताजा और लंबा रखने के कुछ ही आसान तरीके हैं

एलो वेरा जेल: अगर आपके घर में एलो वेरा जेल नहीं है, तो एलो वेरा जेल बाजार से खरीदें। एलोवेरा जेल को स्कैल्प पर 10-15 मिनट के लिए लगाएं। फिर अपने बालों को ठंडे पानी से धो लें। एलोवेरा बालों के रोम को मजबूत करता है और बालों के विकास में मदद करता है।

अंडे: अंडे का प्रोटीन और सल्फर बालों को अंदर से बाहर तक मजबूत बनाता है और बालों का घनत्व बढ़ाता है। जैतून के तेल और अंडे को मिलाकर बालों की जड़ों से सिरे तक लगाएं। इसे 30-40 मिनट तक रखने के बाद शैंपू कर लें, इससे बाल सिल्की हो जाएंगे।

मेथी : पतले बालों को घना करने के लिए मेथी का प्रयोग जरूरी है। एक रात पहले मेथी को पानी में भिगो दें, अगले दिन भीगे हुए मेथी दानों को छान लें, आधा कप साफ पानी डालकर मिला लें। पेस्ट को बालों की जड़ों में 30 मिनट के लिए लगाएं। फिर अपने बालों को शैम्पू से धो लें। आप शैंपू करने से पहले नियमित रूप से नारियल तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

पीएम की कश्मीर यात्रा

सिद्धार्थ शंकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू कश्मीर में लगभग 20 हजार करोड़ रुपए की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। 20 हजार करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। इस दौरान पीएम मोदी ने जनसभा को भी संबोधित किया। पीएम मोदी ने देश के चुने हुए प्रतिनिधियों से कहा कि पंचायत हो पार्लियामेंट, कोई भी काम छोटा नहीं है। यहां अपने कामों से हम अपने देश को आगे ले जा सकते हैं। अगर पंचायत में बैठ कर यह संकल्प लें कि तो देश को आगे बढ़ाने के लिए काम करूंगा तो देश आगे बढ़ेगा। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार की कोशिश यही है कि गांव के विकास से जुड़े हर प्रोजेक्ट को प्लान करने, उसके अमल में पंचायत की भूमिका ज्यादा हो। इससे राष्ट्रीय संकल्पों की सिद्धि में पंचायत अहम कड़ी बनकर उभरेगी। धरती मां को कैमिकल से मुक्त करना ही होगा। इसलिए प्राकृतिक खेती की तरफ हमारा गांव, हमारा किसान बढ़ेगा तो पूरी मानवता को लाभ होगा। ग्राम पंचायत के स्तर पर कैसे प्राकृतिक खेती को हम प्रोत्साहित कर सकते हैं, इसके लिए भी सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। पांच अगस्त 2019 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली जम्मू कश्मीर में किसी अधिकारिक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग पहुंचे। इसके अलावा पाकिस्तान में भी हाल ही में सत्ता परिवर्तन हुआ है। प्रधानमंत्री का यह दौरा जम्मू कश्मीर के संदर्भ में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत मायने रखता है। इससे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और उसके समर्थित आतंकी संगठन हताश हैं। वह प्रधानमंत्री के दौरे को हर सूरत में नाकाम बनाना चाहते थे और दुनिया को दिखाना चाहते थे कि जम्मू कश्मीर में सामान्य स्थिति की बहाली के जो दावे खोखले हैं। मगर सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान की इस मंशा को सिरे से ध्वस्त कर दिया। प्रधानमंत्री के दौरे के ऐलान के बाद से जिस तरह जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाएं बढ़ीं, वह चिंता तो बढ़ा रही थीं। मगर अब जबकि प्रधानमंत्री का दौरा हो गया है तो वह कोरी साबित हुई। अगर अनुच्छेद 370 रहता तो जम्मू कश्मीर में आज भी त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था एक दूर का सपना होती। परिसीमन की रिपोर्ट भी अब किसी भी समय जारी हो सकती है और उसके बाद जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज जाएगा जो इसी वर्ष नवंबर में हो सकते हैं। जिस सांबा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम आयोजित हुआ है, वो पाकिस्तान से ज्यादा दूर नहीं है, ऐसे में उनका वहां से दिया गया एक संदेश पूरे पाकिस्तान में भी सियासी हलचल पैदा कर सकता है। उनके इस दौरे के मायने इसलिए भी हैं क्योंकि हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर में सरपंचों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। पंचायत के दूसरे सदस्यों को भी आतंकी अपनी गोलियों का शिकार बना रहे हैं। ऐसे में अब पंचायत सदस्यों में फिर सुरक्षा का भाव पैदा हो सके, उन्हें इस बात का अहसास हो सके कि सरकार उनकी फिक्र करती है, पीएम मोदी का यह दौरा उस विश्वास को बढ़ाने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमलों ने भी पीएम के इस दौरे की अहमियत को कई गुना बढ़ा दिया है। सरकार लगातार जोर देकर कह रही है कि 370 हटने के बाद से घाटी का माहौल बदला है, आतंकी घटनाएं कम हुई हैं। अब उसी दावे को कमजोर करने के लिए पाकिस्तान से आए आतंकी माहौल खराब करने की भरसक कोशिश कर रहे हैं। उनकी उस कोशिश पर पीएम मोदी द्वारा शुरू की जा रही विकास परियोजनाएं भारी पड़ सकती हैं।

कहो तो कह दूँ: ऐसा जुलुम मत ढाना, हुजूर अब पैदल न चलवाना

चैतन्य भट्ट

जिसने भी वो दृश्य देखा उसकी रूह काँप गई, ऐसी चिलचिलाती धूप, पारा चवालीस के आसपास सड़क पर धूल का बबंडर, हर कदम पर गढ्ढे और उस पर चली जा रही अफसरों की फ़ौज और वो भी पैदल पैदल,ऐसा दृश्य किसी ने पहले तो कभी नहीं देखा था इसलिए इस सीन को देखने के लिए सड़कों पर भीड़ जमा हो गई,लोग सर पर गमछा बांधे दुकानों की छाया में खड़े होकर इस नयनाभिराम दृश्य को अपनी आँखों में कैद कर रहे थे द्य उन्होंने अपने जीवन में ऐसा कठिन सीन नही देखा था द्य मसला था जबलपुर के कलेक्टर ÷इलैया राजा टी÷ का शहर में बन रहे सात किलोमीटर लम्बे फ्लाईओवर का निरीक्षण का द्य अपन ने भी तमाम तरह के निरीक्षण देखे हैं, अफसर बड़ी बड़ी ÷एसी गाड़ियों÷ में आते हैं उसी में बैठे बैठे निरीक्षण करते है अपने अधीनस्तों को निर्देश देते है और फिर उसी एसी वाली बड़ी गाड़ी में बैठकर फुर्र हो जाते हैं, लेकिन इन कलेक्टर साहेब ने तो गजब ही कर डाला , जंहा से फ्लाई ओवर बनना है वंही पंहुच गए और अपने साथ ले आये तमाम विभागों की फ़ौज द्यगाडी के ड्राइवर को इशारा किया कि मेरे पीछे आओ और पैदल चलना शुरू किया, जब कलेक्टर पैदल चल रहा हो तो किस अफसर की औकात है कि वो गाड़ी से चले, सो सारे अफसर भी पैदल चलने लगे उन्होंने सोचा एकाध फर्लांग कलेक्टर साहेब पैदल चलेंगे और फिर गाड़ी में बैठ जाएंगे पर कलेक्टर साहेब ने तो जैसे आज ÷आफ्टरनून वाक÷ का मन बना लिया था सो पैदल चलते ही गए अफसर हलाकान, परेशान जिंदगी में कभी ऐसी चिलचिलाती धूप में एसी गाड़ी से न तो कभी बाहर निकले थे और न ही अपने एसी चेंबर से द्य गला सूखने लगा, पैर कांपने लगे, हाफी आने लगी, लगा जैसे आँखों के सामने सारा ÷ब्रह्माण्ड÷ घूम रहा हो, मन ही मन भगवान् से प्रार्थना कर रहे थे कि हे भगवान् कलेक्टर साहेब को थोड़ी सद्बुद्धि दे दो और उनको गाडी में बैठा दो पर कलेक्टर साहेब कंहा मानने वाले थे वे तो लगातार पैदल चलते ही जा रहे थे, हर जगह रुक रुक कर न केवल गड़बड़ियां देख रहे थे बल्कि अफसरों को फटकार भी लगा रहे थे द्य एक किलो मीटर, दो किलोमीटर हो गया, अब तो रुक जाओ प्रभु, अधीनस्त अफसर बार बार यही बात मन ही मन कह रहे थे लेकिन उसका कोई असर बड़े साहेब पर नहीं हो रहा था इधर साथ चल रहे अफसरों की हालत पतली हुई जा रही थी सोच रहे थे पता नहीं कौन से ÷पाप÷ किये थे कि ये दिन देखने पड़ रहे हैं द्य इन साहेब ने तो एक ही झटले में ÷लाई ही लूट÷ ली कुल जमा ÷सात किलोमीटर÷ का पैदल पैदल निरीक्षण करने के बाद कलेक्टर साहेब रुके तब तक उन तमाम गोरे अफसरों का चेहरा काला पड़ चुका था, शरीर पसीने से तर बतर था, आँखों से आंसुओं की धारा बह रही थी , मन ही मन वे अफसर एक ही गाना गा रहे थे ÷ऐसा जुलुम मत ढाना, अब पैदल न चलवाना हुजूर÷ इसके साथ साथ ये भी कह रहे थे कि अच्छा हुआ सात किलोमीटर का ही फ्लाई ओवर था यदि बीसेक किलोमीटर का होता तो एकाध दो तो निबट ही जाते ईश्वर ने बचा लिया यही सबसे बड़ी बात है द्य

क्या दिन आ गए विधायकों के

जबलपुर के बरगी विधान सभा के कांग्रेसी विधायक हैं संजय यादव जी, युवा हैं, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भी रह चुके हैं और कमलनाथ सरकार में सचेतक भी द्य वे अपनी विधानसभा को पूर्णकालिक तहसील बनवाना चाहते हैं और इसके लिए वे तमाम तरह के प्रयास भी कर चुके हैं उनका कहना है कि वे

प्रमुख सचिव राजस्व आईएएस से लगभग सौ बार मिल चुके है लेकिन आज तक ये काम नहीं हो पाया, मुख्यमंत्री, राजस्व मंत्री सब इसके लिए हामी भर चुके है लेकिन आईएएस तो आईएएस होता है नहीं सुनना आपकी बात तो, नहीं सुनना,कोई कुछ भी कहे काम तो हम अपनी मर्जी से ही करेंगे, यदि किसी की बात मान ली तो फिर काहे के आईएएस द्य सरकार किसी की भी क्यों न हो राजा तो हम लोग ही होते हैं ऐसा घुमाते हैं कि मंत्री भी चकरा जाता है द्य अब विधायक संजय यादव ने साफ़ कह दिया है कि वे प्रमुख सचिब के ÷हाथ जोड़ने÷ के लिए तैयार है यदि वे कहेंगे तो उनके ÷चरण भी छू लेंगे÷ लेकिन उनकी मांग पूरी कर दो, सचमुच क्या दिन आ गए इन नेताओ और विधायकों के अब तो लगता है कि जो भी नेता या विधायक बनना चाहते होंगे वे इस लाइन को छोड़कर ÷यूपीएससी÷की तैयारियों में जुट गए होंगे क्योकि वे भी समझ चुके हैं कि आप कितने ही बड़े नेता हो, विधायक हो, मंत्री हो,जब तक आईएएस नहीं चाहेगा आपका धेले भर का काम नहीं होगा अपनी यादव जी को एक ही सलाह है की आप जो कुछ कह रहे हैं एक बार कर के देख लो हो सकता है वे पसीज जाए और आपका काम कर दें लेकिन जो भी करना सार्वजनिक तौर पर करना ताकि लोगो को पता लग सके कि अफसरों के सामने विधायकों और नेताओ की क्या बिसात है।

इनकी बेटे बेटियों का क्या होगा

प्रधान मंत्री मोदी ने साफ़ साफ़ कह दिया कि वे राजनीती में परिवार वाद और वंशवाद नहीं चलने देंगे और अनेक नेताओ के बेटे बेटियों की टिकिट मैंने काटी है, जब से ये बात सुनी है बेचारे वे तमाम नेता जार जार आंसू बहा रहे हैं जो अपने बेटे बेटियों को राजनीति में ÷इस्टेब्लिश÷ करना चाह रहे हैं क्या क्या सोचा था कि उनकी विरासत उनकी बेटे बेटियां संभालेंगी घर में नेतागिरी की जो परम्परा चल रही है उसे वे आगे बढ़ाएंगे, कितने सपने देखे थे कि भले ही हम खुद मंत्री नहीं बन पाए लेकिन हमारा बेटा बेटी जरूर मंत्री बन पाएंगी, लेकिन एक ही झटके में मोदी जी ने उनके इन सपनो को चूर चूर कर दिया, अब वे नेता परेशान और चिंतित है कि अब उनके सुपूत और सुपूतियाँ करेगी तो क्या करेंगी, क्योकि एक बार जिसके भीतर राजनीति के कीटाणु घुस जाते हैं फिर उसका कोई इलाज इस दुनिया में नहीं मिल पाता फिर वे राजनीती के अलावा और कुछ करने के लायक ही नहीं बचते अपनी तो इन तमाम नेताओं को यही सलाह है कि अपने बेटे बेटियों को अकेले में बुला कर समझा दो कि भैया अब जो सपना हम और तुम दोनों देख रहे थे उसे भूल जाओ और कंही नौकरी ढूंढ लो उसी में फायदा है, चार पैसे भी मिलेंगे और परिवार का पेट भी पल सकेगा।

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके।% उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई। हर आदमी ?से ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

मोदी सरकारः आत्म विश्लेषण - 8 साल में 4 संकल्प पूरे.... शेष कब तक!

ओमप्रकाश मेहता

भारतीय राजनीति में मोदी सरकार ने आत्म विश्लेषण की नई मिसाल कायम की है, यद्यपि अभी मोदी सरकार का दूसरा कार्यकाल पूरा होने में लगभग दो साल का समय शेष है किंतु भारतीय राजनीति के लिए यह एक अच्छी मिसाल है, आजादी के बाद से अब तक शायद किसी भी केन्द्र सरकार ने ऐसा साहस प्रस्तुत नहीं किया। देश के गृहमंत्री अमित भाई शाह ने स्वयं भोपाल आकर स्वीकार किया कि मोदी सरकार ने अपने अब तक के आठ वर्षिय शासनकाल में चार संकल्पों को मूर्तरूप दे दिया है तथा शेष संकल्पों पर मंथन जारी है, जिसमें प्राथमिकता पर समान नागरिक संहिता है, जिस पर उच्च स्तर पर मंत्रण व विचार मंथन जारी है, उसे भी यथाशीघ्र लागू किया जाएगा।

विगत दिवस अपने भोपाल अल्प प्रवास पर पधारे केन्द्रीय गृहमंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने अपने अब तक के आठ वर्षिय शासनकाल में राममंदिर, सीएए, ट्रिपल तलाक और अनुच्छेद-370 की समाप्ति के संकल्प पूरे कर लिये है, अब प्राथमिकता पर समान नागरिक संहिता है, जिस पर आगामी कुछ ही महीनों में अंतिम फैसला लेकर कम से कम भाजपा शासित राज्यों में तो लागू कर ही दिया जाएगा, जिसमें मध्यप्रदेश भी शामिल है, किंतु माननीय गृहमंत्री जी यह नहीं बता पाए कि इसे पूरे देश में एक साथ लागू क्यों नहीं किया जा सकता तथा इसकी राह में अवरोध क्या है? क्या लोकसभा-राज्यसभा में भाजपा का बहुमत नहीं है या कोई प्रशासनिक या वैधानिक अवरोध या दिक्कत है? या सरकार इस मसले पर कोई राजनीतिक जोखिम उठाने की स्थिति में नहीं है? कही ऐसा तो नही कि देश में जो मौजूदा साम्प्रदायिक माहौल है, वह सरकार के लिए अवरोध बना हुआ है? जो भी हो गृहमंत्री जी ने सांकेतिक रूप से अपनी सरकार की मजबूरी तो प्रकट कर ही दी?

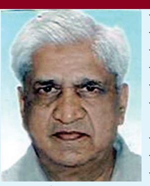

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि पहले 2014 के आम चुनावों के समय और बाद में 2019 के आम चुनावों के पहले भाजपा ने मोदी जी के नेतृत्व में कुछ चुनावी संकल्प (वादे) तय किए थे, जिनमें राम मंदिर से लेकर समान नागरिक आचार संहिता तक के मुद्दें शामिल थे। बकौल अमित शाह आठ सालों की सरकार के कार्यकाल में चार प्रमुख संकल्पों को मूर्तरूप दे दिया गया, किंतु ''एक राष्ट्र-एक चुनाव'' समान नागरिक आचार संहिता तथा कश्मीरी पण्डितों की ''घर वापसी'' जैसे संकल्पों की पूर्ति अभी नहीं हो पाई है। जबकि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने को लेकर अनेक तरह की बढ़-चढ़ कर बातें की जा रही थी, जहां तक जम्मू-कश्मीर का सवाल है, वहां मोदी सरकार की मजबूरी यह है कि जम्मू में तो भाजपा अच्छी खासी स्थापित है किंतु कश्मीर में भाजपा आठ सालों में भी अपने आपको स्थापित नहीं कर पाई है, अनुच्छेद 370 के खात्में को लेकर भी कश्मीर में सुखद स्थिति नहीं है, नागरिकों का एक विशेष वर्ग इसे लेकर कुछ डरा-सहमा है, आतंकवाद की घटनाओं में भी कोई विशेष कमी परिलक्षित नहीं हो रही है, वहां की इसी स्थिति परिस्थिति के कारण केन्द्र सरकार को बार-बार वहां अपने शासन की अवधि बढ़ानी पड़ रही है और सरकार वहां विधानसभा चुनाव नहीं करवा पा रही है। इसी बीच स्वयं भाजपा यह महसूस भी कर रही है कि अब धीरे धीरे मोदी जी का करिश्माई जादू भी कम होता जा रहा है, भाजपा की सबसे बड़ी चिंता वे एक दर्जन राज्य विधानसभा चुनाव है, जो दो साल बाद होने वाले लोकसभा चुनाव के पहले होना है, यद्यपि भाजपा का कथित संरक्षक संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ आगामी पन्द्रह साल में ''अखण्ड भारत'' का नारा उछाल रहा है, जिसका सीधा राजनीति मतलब देश में केन्द्र सहित समूचे राज्यों में भाजपा की सरकार की स्थापना, किंतु मौजूदा माहौल जो अभी से देश में तैयार हो रहा है, जिसमें प्रजातंत्र के तीनों अंगों के बीच विवाद सहित साम्प्रदायिक माहौल भी शामिल है, उसके रहते भाजपा व संघ प्रमुख का यह सुनहरा स्वप्न कहीं ''दिवास्वप्न'' न बन जाए, इसी बात की सभी को चिंता है, आज देश के मुख्य न्यायाधीश जहां यह कहने को मजबूर है कि ''सरकार जजों की छवि धुमिल कर रही है।'' वहीं देश की सर्वोच्च अफसरशाही पर भी नाफरमानी के आरोप लगाए जा रहे है।

क्यों बिगाड़ा जा रहा है साम्प्रदायिक सौहार्द!

सूडोकु नवताल- 6052

★☆☆☆☆ सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6051 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

डॉ श्रीगोपाल नारसन

जाति और धर्म के नाम पर सौहार्द बिगाड़ने का कार्य अंग्रेजों की फूट डालने की नीति से शुरू हुआ था, जो आज तक भी जारी है। इससे न केवल लोगों में दूरी बढ़ी है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय एकता व अखंडता को भी नुकसान पहुंचा रहा है। इसके कारण लोकतांत्रिक तथा धर्मनिरपेक्ष मूल्य शिथिल होते जा रहे हैं। देश में कुछ विघटनकारी तत्व राष्ट्रीय हितों की अपेक्षा धार्मिक और जातिगत विषयों को अधिक महत्त्व दे रहे हैं। सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन के कारण राजनीतिक दल जनता को धर्म व जाति के नाम पर भड़काने का काम करते हैं और वोट पा जाते है,जिसका नुकसान भोली भाली जनता को ही अंततः भुगतना पड़ता है। सरकार की उदासीनता के कारण सामान्य घटना भी साम्प्रदायिक दंगों का रूप ले लेती है। जातीय तथा धार्मिक कट्टरपन सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के साथ देश की नीतियों, निर्णयों तथा प्रगति को प्रभावित करता है। हमारे देश में धर्म और जाति की जड़ें काफी गहरी है । राजनेता इसका दुरुपयोग कर देश में जाति और धर्म के नाम पर वैमनस्यता फैला कर अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश करते रहे है और सफल भी होते रहे है।वर्तमान में भी यही हो रहा है। जाति और धर्म के नाम पर राजनीतिक नियुक्तियां, टिकट वितरण, सरकार द्वारा दबाव में आपराधिक प्रकरणों को वापस लेना तथा जानबूझकर कर वर्ग विशेष को निशाना बनाकर समाज मे अलगाव की खाई पैदा करने की कोशिश देश और समाज के लिए

नासूर बनती जा रही है।राजनीतिक दल अपने वोट बैंक के लालच में सामाजिक और धार्मिक सौहार्द को पनपने ही नहीं देते।वर्तमान समय में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा अपने राजनीतिक लाभ की पूर्ति के लिए धार्मिक और जातीय सौहार्द बिगाड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं । योजनाबद्ध तरीके से भारत में सांप्रदायिकता को बढ़ावा दिया जा रहा है।

धार्मिक और जातीय सौहार्द को बिगाड़ने के प्रयास में कुछ लोगों के साथ कई नेता भी शामिल हैं। ये नेता वैमनस्यता फैलाकर अपनी राजनीति की रोटियां सेकने का प्रयास कर रहे हैं और आम लोग उनके झांसे में आ रहे हैं। ये नेता तो वोट की घिनौनी राजनीति के अपने काम में सफल हो जाते हैं, लेकिन देश का नुकसान हो जाता है। आजकल के नेता धार्मिक जातीय भावनाओं को बिगाड़ कर अपना उल्लू सीधा करने में लगे हुए हैं। वे धर्म के नाम पर फूट डालो राज करो की नीति अपनाने से भी पीछे नहीं हटते। ऐसे में यह हमारा स्वयं का दायित्व बनता है कि हम देश की एकता व अखंडता के लिए साम्प्रदायिक सौहार्द बनाने के लिए आगे आए। हमारे समाज और हमारे देश के हित में क्या है, इसका निर्णय हमें स्वयं विवेक से लेना चाहिए। धर्म का अर्थ क्या है? सबसे पहले तो हमें इसकी सही परिभाषा का ज्ञान होना चाहिए , तभी हम जाति और धर्म के ऊपर उठकर एक स्वस्थ और सौहार्दपूर्ण वातावरण युक्त देश का निर्माण कर पाएंगे।हमारे देश में सभी धर्मों व जातियों के लोग मिलजुलकर रहना चाहते हैं, परन्तु ओछी व घटिया राजनीति के कारण नेता वोट बैंक की राजनीति कर सामाजिक वातावरण बिगाड़ देते हैं। ये नेता आम जनता को धर्म व जाति के नाम पर भड़काते हैं। जनता उनके बहकावे मे आकर लड़ती है। जनता को नेताओं की कुटिल राजनीति समझ नहीं आती।अनेकता में एकता हमारे देश की और संविधान की खूबसूरती है। मुश्किल यह है कि भारत में राजनीतिक दलों का लक्ष्य मात्र सत्ता हासिल करना रह गया है, जो बिना वोट बैंक के संभव नहीं है। सकारात्मक राजनीति के दिन लद गए और नकारात्मक सोच की राजनीति हावी हो चुकी है। नेता आज भी अंग्रेजों की कूटनीति %फूट डालो और राज करो का अनुसरण कर रहे हैं।पिछले कुछ बरसों से नेताओं ने आपसी सौहार्द को बिगाड़ने में अहम भूमिका निभाई है। नेताओं ने सत्ता के लालच में और सत्ता के सहारे पैसा बनाने के चक्कर में समाज को धर्म और जातीय आधार पर बांट दिया है। नेताओं ने धर्म-जाति को आधार बना कर दल बना लिए।

हिंदी पत्रकारिता के 195 वर्षों का सफरनामा

मुकेश तिवारी

हिंदी पत्रकारिता के लिहाज से बंगाल का योगदान सर्वाधिक है, उदंत मार्तंड के पश्चात 10 मई 1929 को राजा राममोहन राय ने कोलकाता से ही हिंदी साप्ताहिक बं गदू त का प्रकाशन शुरू किया ,बंगदूत के प्रथम संपादक नीलरतन हलदार थे, इतना ही नहीं 18 46 मैं कोलकाता से ही मार्तंड 1848 में मालवा और 18 49 मैं जगदीप भास्कर जैसे हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र प्रकाशित होने प्रारंभ हुए थे, पत्रकारिता को जल्दबाजी में लिखे जाने वाले जीवंत साहित्य के बतौर स्वीकार किया जाए तो हिंदी साहित्य की तमाम विधाओं की तरह भारतीय हिंदी पत्रकारिता को भी एक लंबे अंतराल तक ब्रिटिश सरकार के अधीन गुलाम भारत में अपने विकास की रूपरेखा निर्धारित करनी पड़ी थी ,हिंदी में प्रकाशित पहला साप्ताहिक समाचार पत्र उदंत मार्तंड था, जिसे युगल किशोर शुक्ला ने 30 मई 1826 में कोलकाता से प्रकाशित किया था , यह भी कम दिलचस्प नहीं है कि भारत का प्रथम हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र एक गैर हिंदी भाषी प्रांत बंगाल से प्रकाशित हुआ, उदंत मार्तंड के संपादक युगल किशोर शुक्ला यूपी के बाशिंदे थे, लेकिन तालीम पूरी करने के पश्चात उन्होंने कोलकाता की ओर रुख किया, वे सदर दीवानी अदालत में वकालत करते थे , आर्थिक परेशानियों और बंगाल में हिंदी भाषी लोगों के न होने की वजह से यह समाचार पत्र ज्यादा समय तक प्रकाशित नहीं हो सका अंत11 दिसंबर 18 27 को इसका प्रकाशन सदैव के लिए बंद हो गया, लेकिन उदंत मार्तंड को हिंदी पत्रकारिता के शीर्ष पर स्थान मिला और निकट भविष्य में जब कभी भी हिंदी पत्रकारिता के इतिहास पर चर्चा होगी तो चर्चा की शुरुआत उदंत मार्तंड से ही होगी हिंदी पत्रकारिता के लिहाज से बंगाल का योगदान सर्वोपरि है उदंत मार्तंड के पश्चात 10 मई 1829 को राजा राममोहन राय ने कोलकाता से ही हिंदी साप्ताहिक बंगदूत का प्रकाशन प्रारंभ किया बंगदूत के प्रथम संपादक नीलरतन हलदार थे ,इतना ही नहीं 1846 मैं कोलकाता से ही मार्तंड 1848 में मालवा और 1849 में जयदीप भास्करजैसे हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र प्रकाशित होना प्रारंभ हुए थे, हिंदी पत्रकारिता के प्रारंभिक दौर में कोलकाता के पश्चात यदि किसी अन्य शहर को अपनी स्मृतियों में दर्ज कराते हैं तो वह काशी, है ,जनवरी 1845 में काशी से प्रकाशित होने वाला बनारस अखबार हिंदी भाषी क्षेत्र का प्रथम साप्ताहिक समाचार पत्र था।

पार्ट टाइम कामों से करें मोटी कमाई

अगर आप नौकरी के साथ पार्ट टाइम काम करना चाहते हैं तो आपके लिए अच्छा अवसर है। खाली समय में ये काम लाखों की कमाई करा सकता है। बस आपको कुछ नहीं करना, अपने शौक को देना है एक नया नजरियां जानिए कैसे।

अगर आप शब्दों के साथ खेलना जानते हैं तो कॉपी एडिटर या कॉपी राइटिंग का काम आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ खास कदम नहीं उठाने हैं, अपनी पसंद का क्षेत्र चुनिए और दी गई समय सीमा और शब्दों के अनुसार लेख लिख कर दीजिए। साथ ही आप प्रूफरीडिंग का भी काम भी कर सकते हैं। अच्छी बात ये है कि पेज और शब्दों के हिसाब से पैसे मिलते हैं। आज कल कंप्यूटर की नॉलेज सबको होती है। अगर आपको कंप्यूटर प्रोग्रामिंग की जानकारी है तो आप सॉफ्टवेयर डेवलपर की पार्ट टाइम नौकरी आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए बस कुछ नियम अपनाने होंगे। इसमें आपको वेबसाइट बनाने, अपडेट करने के साथ-साथ एप बनाने का काम भी मिलेगा। आपको बता दें कि एक घंटे के लिए 1000-1500 रुपए तक मिलते हैं। यदि आपके पास लैपटॉप है तो आप डेटा एंट्री का काम भी कर सकते हैं। इसमें आपको डेटा इकट्ठा करने से लेकर उसे बेहतर बनाने तक का काम दिया जाएगा। साथ ही आपको कुछ लिंक्स दिए जाते हैं जिन्हें खोलने बंद करने का काम भी होता है। इसमें मुश्किल से एक मिनट का समय जाता है और आप हजारों रुपए कमा सकते हैं।

आज कल अलग अलग भाषा को सीखने का क्रेज सबको होता है। और चलते समय को देखकर ऐसा करना गलत नहीं है। आपको बता दें कि अगर आपको साइन लैंग्वेज आती है तो आप इसमें पार्ट टाइम नौकरी कर सकते हैं। इसमें अच्छी खासी कमाई हो जाती है। एक से ज्यादा भाषाएं जानने और कानून की समझ रखने वाले बाइलिंगव्ल लीगल असिंसटेंट की पार्ट टाइम नौकरी कर सकते हैं। वह किसी एक प्रोजेक्ट पर काम करना शुरु कर दें। इस नौकरी में बहुत कमाई है। अगर आपको तस्वीरें खींचने का शौक है और इसमें माहिर भी हैं तो फ्रीलांस प्रोडक्ट फोटोग्राफी कर सकते हैं। इसमें अलग अलग उत्पादों की तस्वीरें खीनची होती हैं। ई-कॉमर्स साइटों में यह नौकरी आसानी से मिल जाती है। फोटो के सॉफ्टवेयर की भी जानकारी है तो और अच्छा है।

तेजी से बढ़ रहा सैलून का कारोबार

इन दिनों ब्यूटी एंड कॉस्मेटिक प्रोडक्ट के बाद सैलून का कारोबार सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। जो लोग अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं वे इस क्षेत्र में आ सकते हैं। देश में 49 प्रतिशत लोग 25 वर्ष की उम्र के हैं। ये ऐसी उम्र है जब लोग अपनी सुंदरता और खान-पीन पर ज्यादा ध्यान देते हैं और मोटी रकम अदा करने तैयार रहते हैं। इसका बड़ा कारण सोशल मीडिया भी है। आज इस क्षेत्र में काफी अवसर सामने आ रहे हैं, इसलिए इस काम में रोजगार के काफी अवसर पैदा हो गए हैं। अब पार्लर से अच्छी खासी कमाई हो जाती है।

कैसे करें अपने बिजनेस की शुरुआत-

सैलून एट होम कमाई का एक अच्छा जरिया बन सकता है। आजकल बड़े शहरों में अर्बन क्लैप, यस मैडम, ऐट होम जैसे कई ऐप्स काम कर रहे हैं। सैलून एट होम उन लोगों को नौकरी देता है जिन लोगों को पार्लर का काम आता है। घर पर ही सैलून ऐट होम सर्विस के लिए संबंधित कंपनियों के ऐप डाउनलोड करने होंगे उसके बाद उनकी वेबसाइट पर जाकर बुकिंग करनी होगी। इससे हर महीने कम से कम 40 से 50 हजार रुपए तक कमाए जा सकते हैं और जिनके पास अनुभव ज्यादा हैं वे और ज्यादा पैसे कमा सकते हैं। इस कारोबार में नुकसान की संभावना बेहद कम है बशर्ते आप आपने काम में बेहतर हों। ये बिजनेस दिन प्रतिदिन बढ़ेगा ही।

नई तकनीक का इस्तेमाल कर कृषि क्षेत्र से जुड़ें

अब कृषि क्षेत्र भी तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसमें भी रोजगार की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इस क्षेत्र में नई तकनीक के इस्तेमाल के बाद कमाई भी तेजी से बढ़ी है। इसलिए अब यह भी पसंदीदा क्षेत्र बनकर उभरा है। आधुनिकता के इस दौर में कृषि के प्रति युवाओं का ये लगाव किसी चमत्कार से कम नहीं है। अगर आप भी कृषि अनुसंधान के क्षेत्र से जुड़कर कृषि वैज्ञानिक या फिर एक बेहतर किसान बनना चाहते हैं तो फिर इसके लिए आपको 12वीं की परीक्षा अच्छे अंकों से पास कर बीएससी एग्रीकल्चर या फिर बीएससी एग्रीकल्चर ऑनर्स की डिग्री हांसिल करनी होगी। यह डिग्री एग्रीकल्चर, वेटनेरी साइंस, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, फॉरेस्टरी, हॉर्टीकल्चर, फूड साइंस और होम साइंस में से किसी भी एक विषय में ले सकते हैं। अपनी पढ़ाई पूरी करके आप सीधे खेती और इससे संबंधित गतिविधियों से जुड़कर कृषि क्षेत्र में देश के विकास में अपना अहम योगदान दे सकते हैं।

कृषि क्षेत्र में करियर की संभावनाएं

- आज भी भारत की करीब 70 फीसदी जनसंख्या जीविका के लिए पूरी तरह से कृषि पर निर्भर है। ऐसे में कृषि क्षेत्र में पढ़े लिखे किसानों की सख्त जरूरत है।कृषि क्षेत्र में आप मार्केटिंग, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग या मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना सुनहरा करियर बना सकते हैं।
- इसके अलावा आप नेशनेलाइज्ड बैंकों में बतौर कृषि विस्तार अधिकारी, ग्रामीण विकास अधिकारी, फील्ड ऑफिसर बनकर अपना शानदार करियर बना सकते हैं।इसके साथ ही राज्यों के विभिन्न कृषि विभागों में आपके लिए रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।
- कृषि महाविद्यालयों में एडमिशन पाने के लिए युवाओं के बीच मची होड़ से इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन युवाओं के सिर पर कृषि क्षेत्र में करियर का जुनून किस कदर सवार है।

इन संस्थानों से हांसिल कर सकते हैं डिग्री

- अगर आप भी कृषि क्षेत्र में करियर तलाश रहे हैं तो इसके लिए बेहतरीन संस्थानों के बारे में जानकारी भी हासिल कर लें।
- आप हैदराबाद, पुणे, ग्वालियर, इंदौर और पालमपुर स्थित कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से कृषि के क्षेत्र में प्रशिक्षण ले सकते हैं।
- कोलकाता और भुवनेश्वर के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से भी आप डिग्री हांसिल कर सकते हैं।
- उदयपुर के राजस्थान एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी में कृषि के क्षेत्र में प्रशिक्षण के साथ डिग्री भी पा सकते हैं।
- इलाहाबाद स्थित इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट से प्रशिक्षण लेकर आप कृषि क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

क्रोमो थेरेपी में भी बना सकते हैं करियर

आज कल क्रोमो थेरेपी से इलाज की एक वैकल्पिक विधि सामने आई है। इसमें इलाज के लिए सौर स्पेक्ट्रम के सात रंगों बैंगनी, इंडिगो, नीले, हरे, पीले, नारंगी, लाल का उपयोग किया जाता है।

स्किल्स

अगर आप क्रोमोथेरेपी में करियर बनाना चाहते हैं तो आपमें कुछ स्किल्स होने चाहिए। सबसे पहले तो आपमें इस क्षेत्र में काम करने की रूचि होनी चाहिए। साथ ही लोगों की मदद करने का जज्बा होना चाहिए। एक बेहतर क्रोमोथेरेपिस्ट बनने के लिए आपको व्यक्ति पर प्रत्येक रंग के प्रभाव के बारे में जानकारी होनी चाहिए। आपको लोगों से जुड़कर काम करना होता है, इसलिए आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए। साथ ही आपको उतना ही अच्छा श्रोता भी होना चाहिए ताकि आप अपने मरीज की समस्याओं को बेहतर तरीके से सुन व समझ सकें।

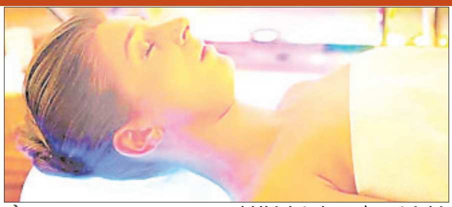

योग्यता

क्रोमोथेरेपिस्ट बनने के लिए आपके पास क्रोमोथेरेपी में डिप्लोमा या बैचलर डिग्री होनी चाहिए। इसके साथ-साथ बायोलॉजी, केमिस्टी और फिजिक्स में ज्ञान होना जरूरी है। भारत में केवल कुछ ही इंस्टीट्यूट क्रोमोथेरेपी का कोर्स कराते हैं। इन अधिकतर इंस्टीट्यूटट में पांच वर्षीय बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज (बीएनवाईएस) पाठ्यक्रम के जरिए क्रोमोथेरेपी के बारे में सिखाया जाता है। इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपका 12वीं पास होना चाहिए। वहीं कलर थेरेपी में डिप्लोमा व बैचलर कोर्स की अवधि छह महीने से एक साल है। वहीं बैचलर सर्टिफिकेशन कोर्स दो साल का होता है।

संभावनाएं

एक क्वालिफाइड क्रोमोथेरेपिस्ट हॉस्पिटल्स से लेकर नेचुरोपैथी क्लिनकि, हेल्थ सेंटर्स में काम कर सकता है। इसके अलावा आप खुद का थेरेपी क्लिनकि भी खोल सकते हैं। वहीं आप रिसर्च वर्क से जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर एजुकेशन में भी काम कर सकते हैं।

आमदनी

क्रोमोथेरेपिस्ट की आमदनी उनके स्किल्स और उनके अनुभव के आधार पर तय होती है। अधिकांश क्रोमोथेरेपिस्ट प्रतिघंटे के आधार पर शुल्क तय करते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, कोलकाता महेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, जयपुर

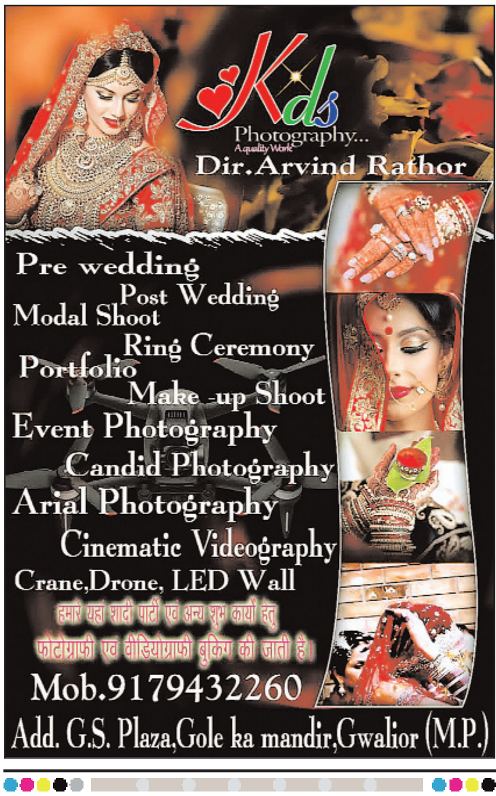

होटल मैनेजमेंट में भी हैं अवसर

आजकल होटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में भी युवाओं का रुझान बढ़ता जा रहा है। जिस प्रकार होटल कारोबार, रिसार्ट व टूर ऑपरेटर का क्षेत्र विकसित होता जा रहा है, होटल मैनेजमेंट कोर्स करने वाले युवाओं की मांग बढ़ती जा रही है। आजकल इस क्षेत्र में मांग इतनी ज्यादा है कि कई बड़े पांच सितारा होटलों ने अपना होटल मैनेजमेंट कोर्स शुरू कर दिया है।

इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम), दिल्ली

आईएचएम की स्थापना 1962 में हुई थी। इसमें दाखिला एनसीएचएमसीटी जेईई के आधार पर होता है। यहां हॉस्पिटैलिटी की फील्ड में डिप्लोमा, अंडरग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स कराए जाते हैं। सभी कोर्सो के लिए योग्यता की शर्तें अलग-अलग हैं जिनको संस्थान की वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई

आईएचएम, मुंबई की स्थापना 1954 में ऑल इंडिया विमिंस सेंट्रल फूड काउंसिल ने स्वर्गीय श्रीमती लीलावती मुंशी के नेतृत्व में की गई थी। शुरू में इसका नाम इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नॉलजी ऐंड ऐप्लाइड न्यूट्रिशन, मुंबई था।

वेलकमग्रुप ग्रैजुएट स्कूल ऑफ होटल ऐडमिनिस्ट्रेशन (डब्ल्यूजीएसएचए)

इस संस्थान की 1986 में मणिपाल में स्थापना हुई थी। इसका सात विदेशी यूनिवर्सिटियों से समझौता ज्ञापन है। इसके अलावा इसे इंटरनैशनल होटल असोसिएशन (आईएचए), पैरिस से भी मान्यता मिली हुई है। इसमें दाखिला 12वीं में हासिल मार्क्स के आधार पर होता है।

इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम), चेन्नै

यहां भी एनसीएचएमसीटी जेईई के आधार पर दाखिला होता है। 1963 में भारत सरकार और तमिलनाडु की राज्य सरकार ने संयुक्त रूप से इसकी स्थापना की थी।

इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नॉलजी ऐंड ऐप्लाइड न्यूट्रिशन, हैदराबाद

1972 में इसकी स्थापना फूड क्राफ्ट संस्थान के तौर पर हुई थी। 1984 में इसे इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट के तौर पर अपग्रेड किया गया और 1986 में नैशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नॉलजी, नई दिल्ली से मान्यता मिली। यहां भी दाखिला एनसीएचएमसीटी जेईई के आधार पर होता है।

डिपार्टमेंट ऑफ होटल मैनेजमेंट, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी

बेंगलुरु स्थित इस संस्थान की स्थापना 1991 में की गई थी। यहां ऐडमिशन क्राइस्ट यूनिवर्सिटी एंट्रेंस एग्जाम के माध्यम से होता है।

आर्मी इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट ऐंड कैटरिंग टेक्नॉलजी

बेंगलुरु स्थित इस संस्थान की स्थापना 1996 में आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसायटी के तत्वाधान में हुई थी। यह बेंगलुरु यूनिवर्सिटी से मान्यता प्राप्त है। यहां दाखिला एआईएचएमसीटी डब्ल्यूएटी के आधार पर होता है।

इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, ग्वालियर

1987 में फूड क्राफ्ट इंस्टिट्यूट की तौर पर स्थापित इस संस्थान को 1992 में अपग्रेड करके आईएचएम बना दिया गया। यहां दाखिला एनसीएचएमसीटी जेईई के आधार पर होता है।

एनएसएचएम स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट, दुर्गापुर

गणेश कॉलोनी में बंधक बनाकर बंदूक की नोक पर 14 से 15 लाख रुपए की लूट

- छत के सहारे घर में आए थे चोर
- 7 से 8 चोर आए थे घर के अंदर
- बंदूक की नोक पर लूट करके ले गए

अनिल कुशवाह ब्युरो पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- शिवपुरी के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाली गणेश कॉलोनी से है या हम आपको बता दें कि एक घर में छत के सहारे 7 से 8 चोर घुस आए और जब परिवार जागा तो बंदूक की नोक पर 7 से 8 चोर 14 से 1500000 रुपए की लूट कर कर ले गए जानकारी के अनुसार मेवाराम उर्फ संजय शर्मा पिता आसाराम शर्मा गणेश कॉलोनी अपने घर में

अपनी पत्नी एवं एक बच्ची और 1 बच्चे के साथ सो रहा था तभी सुबह 4-30 बजे की घटना के दौरान छत के सहारे गेट तोड़कर 7 से 8 चोर घर में घुस आए उसके बाद उन्होंने पीछे का गेट तोड़ा इसके बाद परिवार जिस घर में सो रहा था उसका गेट तोड़ा तीन गेट तोड़ने के बाद जब परिवार जिस रूम में सो रहा था उस गेट को तोड़ा तो परिवार के नींद खुली जैसे ही उन्होंने चोर को देखा तो चोरों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी और बंदूक की नोक पर 14 से 15 लाख रुपए की लूट करके ले गए. लूट हुए सामान में एक हार एक मंगलसूत्र आधा किलो चांदी एलईडी 3 मोबाइल दो से ढाई लाख नगद थे. लूट के बाद चोर बाहर से कुंडी लगाकर भाग खड़े हुए जिसके बाद परिवार ने अंदर से दरवाजा तोड़ा और पड़ोसी के मोबाइल से पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

परिंडे लगाओ पक्षी बचाओ

विनोद पाठक ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

श्योपुर - आज अखिल भारतीय खटीक समाज युवा प्रकोष्ठ के नेतृत्व में शहर के विभिन्न स्थानों पर गौ माताओं के लिए पानी की टंकी रखी गई एवं पक्षियों के लिए परिंडे सकोरे पीजी कॉलेज पेड़ों पर लगाए गए भीषण गर्मी के बचाव के लिए यह मुहिम चलाई गई इसमें उपस्थित अखिल भारतीय खटीक समाज युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सुनील आर्य जी अखिल भारतीय खटीक समाज युवा प्रकोष्ठ जिला संयोजक एवं भाजपा अजा मोर्चा के जिला महामंत्री महेंद्र आर्य जी जिस में उपस्थित अतिथि अखिल भारतीय खटीक समाज के जिला अध्यक्ष आसाराम सांवरिया जी क्षेत्रीय खटीक समाज उत्थान समिति के जिला अध्यक्ष बाबूलाल आर्य जी अशोक बडगूजर जी युवा प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष महेंद्र आर्य जी पुरुषोत्तम आर्य सुरेंद्र आर्य जी राकेश आर्य शिवांग आर्य जी कार्तिक आर्य जी मनीष आर्य जी आलोक आर्य जी रितिक कार्य रिंकू आर्य सागर आर्य आकाश आर्य अमन आर्य कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे।

यूथ जिलाध्यक्ष राजेश सैनी ने किया खंडार विधानसभा का दोरा

राजस्थान । सामाजिक कार्यकर्ता शंकर जी सैनी बहरावंडा खुर्द की ओर से आयोजित प्रोग्राम में राजेश सैनी ने दौरा कर सभी लोगों को भाईचारे एकजुट और एकता के साथ रहने का आह्वान किया इस अवसर पर आरक्षण संघर्ष समिति अध्यक्ष घनश्याम सैनी माइंस कॉन्टैक्टर चेतन मोबाइल पॉइंट कटला मुकेश सैनी रवि सैनी तहसील अध्यक्ष नरेंद्र सैनी आदि समाज बंधु उपस्थित रहे

अनामिका शर्मा शासकीय अधिवक्ता को महिला बाल विकास एवं श्रम विभाग गवालियर का संभागीय अध्यक्ष बनाया गया।

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । स्वयंसेवक अधिकारी कर्मचारी संघ मध्य प्रदेश द्वारा अनामिका शर्मा शासकीय अधिवक्ता को महिला बाल विकास एवं श्रम विभाग गवालियर का संभागीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया अनामिका शर्मा को स्वयंसेवक अधिकारी कर्मचारी संघ मध्य प्रदेश के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने बार एसोसिएशन के सभी सदस्यों व गणमान्य नागरिकों ने बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी। स्वयंसेवक अधिकारी कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश के वरिष्ठ नेतृत्व का का बहुत बहुत आभार व्यक्त किया।

डांस कंपटीशन का किया जा रहा है आयोजन, 12 से 40 वर्ष तक की महिलाएं एवं लड़कियां लें सकतीं हैं भाग

अनिल कुशवाह ब्युरो पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - अगर डांस का है आप में हुनर तो आजमाएं अपना किस्मत। शुरू हो चुका है सुपर वूमेन एवं सुपर गर्ल डांस कंपीटीशन। नीतू फैंसी ज्वैलर्स द्वारा शिवपुरी के प्रतिभागियों के टैलेंट को जगाने के लिए एक डांस कंपटीशन का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे 12 से 40 वर्ष तक के हुनरवाज भाग ले सकते हैं यह प्रतियोगिता महिलाओं एवं लड़कियों के लिए की जा रही हैं जिसमे इसको दो कैटेगरी में बांटा जाएगा सुपर वूमेन एवं सुपर गर्ल। डांस कंपिटिशन में भाग लेने के लिए सबसे पहले अपने डांस की मिनिमम एक से डेढ़ मिनिट की डांस वीडियो शूट करके 8269690463 इस नंबर पर भेजना होगी,जिसमे उनमें से अच्छी प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागियों को स्टेज पर डांस करने का मौका दिया जाएगा। जिसमे सुपर जज द्वारा निर्णय लिया जाएगा। इस प्रतियोगिता में विडियो भेजने की अंतिम तिथि 1 मई है। अच्छी प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागियों को गिफ्ट एवं सर्टिफिकेट दिया जायेगा। वहीं इस कंपीटीशन में सुपर जज के रूप में है जेसी प्रियंका शिवहरे जोन डायरेक्टर एस एम ए जोन 6 एवं मोनू नामदेव (डांस इंस्ट्रक्टर) एवं सहयोगी के रूप में है श्रीमति बबिता जैन अध्यक्ष अपना घर महिला आश्रम एवं श्रीमति सीमा शिवहरे भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष एवं सह संयोजक के रुप में युवा नेता रितिक गर्ग बीजेपी है।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का कई लोगों को लाभ मिला

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। गौरवशाली सामाजिक संस्था की संस्थापक अध्यक्ष अधिवक्ता शिल्पा डोगरा ने जानकारी दी कि रविवार को कंपू स्थित बालाजी मेडिकल पर डॉक्टर ऊर्वी बंसल स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, शैलेंद्र भदौरिया बुजुर्ग रोग विशेषज्ञ एवं डॉ राजीव बुटानी के द्वारा करीब 60 लोगों के स्वास्थ्य की निशुल्क जांच की गई। गौरवशाली सामाजिक संस्था के सचिव वासुदेव मिश्रा ने सभी चिकित्सकों एवं उपस्थित जनों का स्वागत वंदन अभिनंदन करते हुए संस्था अध्यक्ष अधिवक्ता शिल्पा डोगरा,सदस्य सुनील करन एवं हिमांशु करन ने चिकित्सकों एवं संस्था की संरक्षिका श्रीमती रीता डोगरा, संरक्षक इंजीनियर विजय शर्मा को माला पहनाकर स्वागत वंदन अभिनंदन किया। बालाजी मेडिकल के सुमित मोटवानी ने भी सभी

को माला पहनाकर स्वागत किया। संस्था अपने संकल्प कोई भूखा ना सोए में निरंतर में कमला राजा हॉस्पिटल में पुलाव, शरबत खिचड़ी वितरित करते आ रही है और किसी न किसी रूप में हर जरूरतमंदों की मदद करने का प्रयास जारी रखे हुए है। शिविर में आने जाने वालों को भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए शहर को साफ सुथरा बनाए रखने हेतु संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आग्रह किया। जिन लोगों ने रविवार को शिविर में जांच कराई गई है उन्हें सोमवार को बालाजी मेडिकल से जांच प्राप्त कर सकते हैं। अध्यक्ष अधिवक्ता शिल्पा डोगरा एवं सचिव वासुदेव मिश्रा ने चिकित्सकों एवं शिविर में उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया।

1 रुपए लेकर आंपीएल मैच पर 80 रुपए में कर रहे थे सट्टे का सौदा, चार आरोपी गिरफ्तार

भिण्ड। इन दिनों जिले में आईपीएल मैच पर जमकर सट्टबाजी चल रहा है। 1 रुपए लेकर मैच के जीत-हार पर 80 रुपए दिए जाते हैं। मेहगांव पुलिस ने ऐसे चार सटोरियों को दबोच लिया। पकडे गए आरोपियों से नकदी समेत सट्टे की पर्ची व डायरियों का लेखा जोखा भी मिला। मेहगांव थाना प्रभारी डीबीएस के मुताबित आईपीएल के सट्टे को लेकर कस्बे में अलग-अलग क्षेत्रों में आईपीएल मैच पर सट्टा खिलवाने वाले चार आरोपी पकडे। पुलिस ने गोरमी तिराहा के पास से कालीचरण पुत्र हरविलास राठौर निवासी रसलदार का पुरा को पकडा। ये आरोपी सट्टा का नंबर लिखवाकर लगा रहा था। पुलिस ने आरोपी से सट्टे की नंबर लिखी पर्चीए पेन व 670 रुपए नकदी बरामद किए। इसी तरह से शराब ठेके के पास मौ रोड पर चंद्रभान उर्फचंदू वर्मा निवासी बृजभान सिंह वर्मा निवासी वार्ड क्र.8 मेहगांव को पकडा। आरोपी द्वारा सट्टा लगवाया जा रहा था। आरोपी से पांच सट्टे की पर्ची व 565 नकदी बरामद हुए। इधर वार्ड क्रमांक 15 में रहने वाला राजवीर पुत्र प्रहलाद सिंह जाटव अपने घर में सट्टा लगवाकर नंबर दे रहा है। पुलिस ने आरोपी को पकड लिया। पुलिस ने आरोपी से सट्टा का लेखा जोखा और नकदी 700 रुपए नकदी बरामद किया। इन तीन आरोपियों के पकडे जाने के बाद पुलिस को चौथे सटोरिया की जानकारी लगी। वहीं वार्ड क्रमांक 1 में रहने वाला अंकुश पुत्र मुकेश सैथिया भी बडे सट्टा लगवाता था। यहां बडे दांव लगाए जाते थे। पुलिस ने दबिश देने के लिए सटोरियां के घर पहुंची। सटोरिया अपने घर के बाहर के कमरे में सट्टे का कारोबार जमाए हुए था। पुलिस ने आरोपी से 2580 नकदी और 60 हजार का लेखा जोखा मिला। पकडे गए आरोपियों पर सट्टा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

डॉ दुर्गासिंह राठौड़ मैसूर पहुंचने पर साफा व शॉल ओंढाकर किया स्वागत

पुष्पाजंली टूडे

मैसूरु. राजस्थान प्रदेश कांग्रेस पार्टी के खनन विकास एवं उत्थान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ.दुर्गा सिंह राठोड़ का मैसूरु पहुंचने पर साफ़ा व शाल द्वारा सम्मान कर स्मृति चिह्न के रूप में गाय की तस्वीर भेंट की गई द्य दुर्गा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थानी लोग

किसी भी क्षेत्र में अपने आप को पारंगत कर लेता है द्य अपनी बुध्दिमता व व्यापार कौशल की बदौलत सभी के साथ हिलमिल जाते है द्य बड़े व्यापारी छोटे व्यापारी की मदद के लिए तत्पर रहते हुए एक दूसरे का सहयोग करने की बात कही द्य इस अवसर पर महाराणा प्रताप राजपूत मंडल मैसूरु के अध्यक्ष पृथ्वी सिंह चांदावत,सचिव जनक सिंह कास्टी,सदस्य दलपत सिंह मेव,कुंदन सिंह मेव,महिपाल सिंह बालावत,किशन सिंह उदावत, जयपाल सिंह भाटी सहित बड़ी संख्या में समाज गण उपस्थित रहे द्य

सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का संतुष्टि से गुणवत्तापूर्ण निराकरण करना तय करें समस्त अधिकारीः कलेक्टर

भिण्ड। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में साप्ताहिक समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय भिण्ड के सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की विस्तृत समीक्षा कर सभी विभाग अधिकारियों को लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के साथ 50 दिवस की लंबित शिकायतों का भी निराकरण संतुष्टि से करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने पीएचई के हैंडपंप एवं बिजली विभाग से संबंधित ज्यादा शिकायतों पर नाराजगी जाहिर करते हुए इनका निराकरण समय-सीमा में कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने 2 मई से 11 मई 2022 तक आयोजित होने वाले लाड़ली लक्ष्मी उत्सव के संबंध में महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस दौरान राज्य स्तर से जारी निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही की जाये। बैठक में कलेक्टर ने आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा कर जिले में शेष पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों के साथ, ई-गवर्नेंस एवं सीएससी को भी दिये। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड निःशुल्क बनाये जा रहे है, इसमें पंजीकृत प्रत्येक परिवार 5 लाख तक का मुफ्त उपचार प्रति वर्ष करा सकेगा। कलेक्टर ने जिले के सीएम राईज स्कूल संबंधी कार्यवाही तेजी से कर उनकी व्यवस्थाऐं ठीक करने के निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग को दिये। कलेक्टर ने ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुनिष्चित कराने के निर्देश संबंधित नगरीय निकाय एवं पीएचई विभाग को दिये। कलेक्टर ने आगामी सीएम, कलेक्टर-कमिशनर कॉन्फ्रेस के बिंदुयो पर चर्चा कर संवंधित विभागों को उनसे संवंधित कार्यवाही समय-सीमा में करने के निर्देश भी बैठक में दिये।

स्वदेशी जागरण मंच ग्वालियर-लश्कर कार्यकारिणी घोषित

महेंद्र शर्मा, रिपोर्टर ग्वालियर संभाग

ग्वालियर। स्वदेशी जागरण मंच ग्वालियर विभाग मध्य भारत प्रांत द्वारा नवगठित जिला कार्यकारिणी ग्वालियर जिला एवं लश्कर जिला की बैठक ज्योत्सना एकेडमी हजीरा पर आयोजित की गई। बैठक बैठक में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष श्री हरेंद्र शर्मा जी प्रांत संपर्क प्रमुख एवं श्री राकेश जी शर्मा प्रांत प्रचार प्रमुख द्वारा दायित्व बोध एवं स्वावलंबी भारत अभियान पर चर्चा कर योजना बनाई गई। जिस का संचालन ग्वालियर जिला संयोजक देवेश थापक जी द्वारा किया गया एवं आभार लोकेंद्र लोकेंद्र जी राजपूत विचार प्रमुख द्वारा किया गया बैठक में प्रमुख रूप से ग्वालियर जिला कार्यकारिणी एवं लश्कर जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे तथा सभी कार्यकारिणी को प्रांत पदाधिकारियों द्वारा स्वदेशी पताका प्रदान किया गया। बैठक में मुख्य रूप से प्रोफेसर हरेंद्रशर्मा जी एवं राकेश जी प्रांत पदाधिकारी एवं देवेश जी जिला संयोजक ग्वालियर की समस्त कार्यकारिणी निर्मल जी पांडे से जिला संयोजक लश्कर के समस्त कार्यकारिणी गण उपस्थित रहे। जय जय स्वदेशी के उद्घोष के साथ बैठक का समापन किया गया।

आठ सूत्रीय मांगों को लेकर किसान कांग्रेस ने सौंपा एसडीएम को ज्ञापन

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद-क्षेत्र में फैली समस्याओं को लेकर ब्लॉक किसान कांग्रेस ने अध्यक्ष रविन्द्र वराड के निर्देशन में तहसील कार्यालय पहुंचकर एसडीएम शुभम शर्मा को आठ सूत्रीय ज्ञापन सौंपा जिसमें

भारी वाहन की आवाजाही पर साथ 05 08 बजे तक रोक लगाई जाने ,ओवर लोड वाहनों पर उचित कानूनी कार्यवाही किये जाने, मालनपुर फेक्ट्री का गंदा केमीकल युक्त पानी बेसली जलाशय में आने से रोकने,गोहद नगर व ग्रामीण में पेयजल समस्या का शीघ्र निराकरण करने, अघोषित विद्युत कटौती बन्द करने ,स्टेशन रोड गोहद चौराहा पर हाथ ठेलो व सब्जी दुकानों की उचित स्थान पर व्यवस्था करने, गोहद नगर में रोड़ों पर गडडे हो गये उनकी मरम्मत कराये जाने,गोहद मौ रोड पेच वर्क का कार्य जो अधुरा पड़ा है उसे शीघ्र पूरा कराये जाने की मुख्य मांगे है इन सभी मांगों को शीघ्र पूर्ण नहीं कराई जाने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी जिनमें मुख्य रूप से रविन्द्र बराड़ ,सलीम बक्श,राघवेन्द्र तोमर राजू कक्का,तेहसील शाह,मनोज गुप्ता, प्रमोद शुक्ला,अवधेश शुक्ला, मलकीत सिंह ,गगनदीप बराड़,नीरज वित्थरिया,बलजीत सिंह,राजदीप सिंह,सतनाम सिंह,प्यारा सिंह ,जीपी खन्ना,पिंकी उचाडिया,प्रदीप नागर,महादेव कुशवाह,रामदास सहित लगभग दो दर्जन से अधिक लोग मोजूद थे।

संकट: प्रदेश में अब भी एक हजार मेगावाट से ज्यादा बिजली की कमी बनी हुई है

सस्ती के बजाय महंगा उत्पादन वाली इकाई में कोयला भेजने पर उठे सवाल

जबलपुर। कोयले की कमी से कम बिजली उत्पादन से जूझ रहे मध्य प्रदेश में बिजली महंगी होने की वजह में जनरेशन कंपनी का गलत निर्णय भी शामिल है। मध्य प्रदेश पावर जनरेशन कंपनी की अलग-अलग इकाईयों में बिजली उत्पादन की लागत अलग होती है। अब जिस इकाई में सस्ती बिजली बनती है, उसकी बजाए महंगी बिजली बनाने वाली इकाई को अधिक कोयला भेजना प्रबंधन के फैसले पर सवाल खड़ा कर रहा है। जैसे तैसे रेलवे के कोल रैक मिल रहे हैं, जिन्हें कोल प्लांट के करीब स्थापित प्लांट में पहुंचाने की बजाए सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थापित प्लांट में भेजा जा रहा है, जिसकी वजह से कोयले परिवहन के बाद महंगा जा रहा है। मध्य प्रदेश में अब भी एक हजार मेगावाट से ज्यादा बिजली की कमी बनी हुई है।

परिवहन खर्च बच सकता था

सूत्रों की मानें तो बिरसिंहपुर के संजय गांधी ताप गृह में 3.01 रुपये की एक यूनिट बिजली तैयार होती है। यह इकाई कोल माइंस के करीब है जिस वजह से स्थानीय स्तर पर कोयला प्लांट तक पहुंच जाता है। इसमें परिवहन खर्च बचता है। वहीं खंडवा की श्रीसिंगाजी पावर प्लांट में प्रति यूनिट बिजली की लागत 4.28 रुपये है। यहां कोयला परिवहन महंगा पड़ता है। आसपास कोल माइंस भी नहीं है, इसलिए रेलवे को करीब 400 किलोमीटर का सफर तय कर कोयला पहुंचाना पड़ता है। इस वजह से कोयले की लागत बढ़ जाती है। गत दिवस संजय गांधी ताप गृह में महज तीन रैक कोयला तथा सिंगाजी पावर प्लांट में 12 रैक कोयला भेजा गया। सिर्फ यही नहीं कम कोयला संजय गांधी में पहुंचने से इकाईयों को कम लोड पर चलाया जा रहा है। इस संबंध में बिजली मामलों के जानकार एडवोकेट राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि सस्ती बिजली उत्पादन वाली इकाईयों को पूरी क्षमता के साथ संचालित किया जाना चाहिए।

परिश्रम की जड़ बहुत गहरी होती है: कुशवाह

भोपाल। उद्यानिकी एवम खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा है कि परिश्रम की जड़ बहुत गहरी होती है। परिश्रमी व्यक्ति को कोई भी डिगा नहीं सकता।पूर्णरूप से संकल्पित होकर परिश्रम करने पर उम्मीद से अधिक सफलता मिलती है। राज्य मंत्री कुशवाह ने यह बात महाकाल गार्डन में अखिल भारतीय कुशवाह महासभा मध्यप्रदेश की प्रांतीय बैठक में कही। राज्य मंत्री कुशवाह, मुख्य अतिथि के रूप में भाग ले रहे थे। राज्य मंत्री कुशवाह ने उन्हें अखिल भारतीय कुशवाह महासभा का संरक्षक नियुक्त करने पर संगठन का आभार माना और धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा दी गयी जिम्मेदारी का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करेंगे। ललितपुर सदर विधायक राम रतन सिंह कुशवाह, अखिल भारतीय कुशवाह महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप मौर्य और समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

27 को 21 हजार परिवारों को गृह प्रवेश कराएंगे शिवराज

भोपाल। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 27 अप्रैल को एक लाख से अधिक हितग्राहियों को हितलाभ वितरित करेंगे। वे 21 हजार परिवारों को गृह प्रवेश कराएंगे और 30 हजार से अधिक आवासों के लिए भूमि पूजन करेंगे। कार्यक्रम भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में आयोजित होगा। इस मौके पर सिंगल क्लिक से 50 हजार हितग्राहियों के बैंक खातों में पांच सौ करोड़ रुपये जमा कराए जाएंगे। इन आवासों की लागत 3900 करोड़ रुपये है। उधर, प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में भी कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों सहित नागरिक और लाभार्थी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री हितग्राहियों से वर्चुअल चर्चा भी करेंगे।

मॉडल स्कूल में होगा मेरिट के आधार पर प्रवेश

भोपाल। मॉडल स्कूलों में कक्षा 6वीं का संचालन प्रारंभ किया गया है। नवोदय विद्यालय तथा सैनिक स्कूलों की तरह कक्षा 6 वीं में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रवेश दिये जाने की व्यवस्था की गई है। मॉडल स्कूल में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिये जहां स्वीकृत सीट से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त हुये हैं, वहां स्थानीय स्तर पर परीक्षा का आयोजन करते हुये मेरिट आधार पर प्रवेश दिया जायेगा और जहां आवेदन पत्रों की संख्या निर्धारित सीट संख्या के बराबर या कम है, वहां सीधे प्रवेश दिये जाने के निर्देश भी दिये गये हैं। इसके साथ ही मॉडल स्कूलों में छात्रावास की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण कक्षा 6वीं में स्थानीय विद्यार्थियों को ही प्रवेश दिये जाने के लिये कहा गया है, जिससे विद्यार्थियों को अधिक दूरी तक आवागमन नहीं करना पड़े।

डीएलएड मुख्य परीक्षाएं 2 जून से

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मप्र भोपाल द्वारा संचालित वर्ष 2022 की डी.एल.एड. द्वितीय-वार्षिक पाठ्यक्रम मुख्य परीक्षा प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष 2022 की मुख्य परीक्षा का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। परीक्षायें दो जून गुरुवार से प्रारंभ होकर 14 जून मंगलवार को समाप्त होंगी। दोनों परीक्षाओं के आयोजन का समय प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक निर्धारित किया गया है। परीक्षा कार्यक्रम मंडल की वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं।

हितग्राही को किस्त नहीं मिली तो सीईओ पर गिरेगी गाज

भोपाल। प्रधानमंत्री आवास योजना की किस्त डेढ़ महीने तक हितग्राहियों को नहीं देने वाले जनपद पंचायतों के 50 सीईओ (मुख्य कार्यपालन अधिकारियों) पर गाज गिर सकती है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने इन सभी को सात दिन में रुकी हुई किस्त का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं।

अब प्री-नर्सरी, नर्सरी, केजी कक्षाएं संचालित करने मान्यता जरूरी

राज्य सरकार ने शाला पूर्व शिक्षा नीति-2022 की लागू

भोपाल। अब प्री-नर्सरी, नर्सरी, केजी कक्षाएं संचालित करने के लिए मध्यप्रदेश में मान्यता लेना अनिवार्य हो गया है। अब बगैर मान्यता ये केंद्र चलते पाए गए, तो संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पदेश सरकार ने शाला पूर्व शिक्षा नीति-2022 लागू कर दी है।

इस नीति के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में नजदीक के तीन से छह साल के बच्चों को शाला पूर्व शिक्षा दी जाएगी। इसका उद्देश्य बच्चों को पहली कक्षा के लिए बुनियादी तौर पर तैयार करना है। इन्हें बाल संस्कार केंद्र, शिशु विकास केंद्र या नर्सरी केंद्र के नाम से संचालित किया जाएगा। इसके लिए आंगनबाड़ी केंद्रों में अतिरिक्त कक्ष बनाए जाएंगे, जिन्हें स्कूल की कक्षा की तरह डिजाइन किया जाएगा। पढ़ाने के लिए शिक्षक रखे जाएंगे और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।

सरकार करीब पांच साल से नीति तैयार कर रही थी, जो अब लागू की गई है। किसी भी स्कूल में पहली कक्षा में बच्चे को छह साल की उम्र में प्रवेश दिया जाता है। निजी स्कूल में प्रवेश लेने वाले बच्चों को प्री-नर्सरी, नर्सरी, केजी पढ़ाकर पहली कक्षा के लिए तैयार किया जाता है। जबकि, सरकारी स्कूलों में प्रवेश लेने वाले पहले से तैयार नहीं होते, जिससे इनकी बुनियाद कमजोर रह जाती है। शाला पूर्व शिक्षा नीति इसी खाली स्थान को भरेगी। तीन से छह साल के बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों में ही तीन से चार घंटे स्कूल के माहौल में रखा जाएगा। उनके लिए अलग से पाठ्यक्रम तैयार होगा और जरूरी सुविधाएं (शौचालय, अतिरिक्त कक्ष, पानी-बिजली) की व्यवस्था भी जुटाई जाएगी। एक कक्ष ऐसा भी रहेगा, जिसमें उन्हें सुविधाजनक तरीके से सुलाया जा सके। नई व्यवस्था में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी प्री-नर्सरी, केजी, किंडर गार्टन स्कूलों को मान्यता देंगे। विभाग ने इन अधिकारियों को नोडल बनाया है। ये ही औचक निरीक्षण और कार्रवाई भी करेंगे। बच्चों के साथ घर में होने वाले व्यवहार और उससे बच्चे की मनोवैज्ञानिक जरूरत को समझने के लिए जागरूकता शिविर लगाए जाएंगे।

दंगे के बाद आर्थिक बहिष्कार का संकल्प

खरगोन : लोग बोले-विधर्मियों से कोई सामान नहीं खरीदेंगे, कुछ बेचेंगे भी नहीं

गांवों में हिंदू संगठन के सदस्य जनता को सार्वजनिक रूप से संकल्प दिला रहे हैं

खरगोन। खरगोन में दंगे के बाद लोगों के बीच वैमनस्यता और बढ़ गई है। अब यह शहर से गांव तक जा पहुंची है। जिले के कई गांवों में हिंदू संगठन के सदस्य जनता को सार्वजनिक रूप से एक संकल्प दिला रहे हैं। उन्हें विधर्मियों (गैर हिंदू) की दुकानों से कपड़ा, चप्पल या अन्य कोई भी वस्तु नहीं खरीदने की शपथ दिलवाई जा रही है। खरगोन एसपी रोहित कासवानी का कहना है कि इस प्रकार का वीडियो हमारे संज्ञान में भी आया है। वीडियो की जांच कर रहे हैं।संकल्प लेने के वीडियो हो रहे वायरल जिले के उबदी, पिपरी और इच्छापुर गांव में इस तरह के आयोजन हो चुके हैं। वहीं, बिस्टान और केली में भी ऐसे मामले सामने आए हैं। संकल्प लेने के वीडियो भी वायरल हो रहे हैं। साथ ही हाट-बाजारों में भी आर्थिक बहिष्कार की बातें सामने आ रही हैं।

यह है संकल्प

आज से हम संकल्प लेते हैं कि विधर्मियों की दुकानों से कपड़ा, चप्पल या अन्य कोई भी वस्तु नहीं खरीदेंगे, न ही उन्हें अपनी कोई भी वस्तु बेचेंगे। हे महाकाल, हमारे संकल्प को पूरा करने की उपयुक्त शक्ति और मनोवृत्ति प्रदान करें।'10 अप्रैल को रामनवमी पर हुए उपद्रव में शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और धार्मिक क्षति हुई थी। इससे लोगों के मन पर गहरा घाव हुआ है, जिसके फल स्वरूप लोग अपने-अपने स्तर पर आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं।

खरगोन में 15 दिन बाद आज से खुली अनाज और कपास मंडी, कर्फ्यू

खरगोन में आज कर्फ्यू में सुबह 8 से शाम 5 बजे तक की छूट दी गई है। अपर कलेक्टर एसएस मुजाल्दा ने बताया कि सोमवार को छूट में कृषि मंडी को भी शामिल किया गया है। छूट धारदार हथियार जैसे चाकू-छुरी, हसिया, दराती, फाल्या की दुकानें, धार्मिक स्थल, पेट्रोल पंप और केरोसिन पर लागू नहीं होगी। एसडीएम मिलिंद ढोके ने मंडी के व्यापारियों के साथ रविवार को कार्यालय में बैठक ली। सभी ने अनाज और कपास मंडी को छूट देने के लिए अनुरोध किया। किसानों से वाहन के साथ एक व्यक्ति और ड्राइवर के साथ ही पहुंचने की गुजारिश की गई है।

सड़क किनारे नवजात को लावारिस छोड़ गई मां, चीटियों के काटने और भूख से मौत

सतना। जिले से दिल को कंपा देने वाली खबर है. यहां एक मां नवजात को सड़क किनारे लावारिस हालत में छोड़ गई. उसकी चीटियों के काटने से मौत हो गई. लोगों ने बच्ची को बचाने की बहुत कोशिश की, लेकिन उसकी जान नहीं बची. मामला सतना के कोठी कस्बे के पास का है. पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी बच्ची की मौत का कारण भूख और चीटियों का काटना आया है।

जानकारी के मुताबिक, सतना चित्रकूट मार्ग पर कोठी कस्बे के पास रविवार को अचानक सनसनी फैल गई. कुछ लोगों को नवजात के कराहने की आवाज आई. उन्होंने देखा तो उनके होश उड़ गए. एक बच्ची सड़क किनारे पड़ी थी. उसकी सांसें चल रही थीं, लेकिन जान नहीं थी. उसके शरीर पर कई जगह लाल-लाल निशान भी थे. लोगों ने तुरंत बच्ची को कोठी सामुदायिक स्वास्थ्य क्रेंद में भर्ती कराया।

पुलिस कर रही जांच

इस मामले को लेकर पुलिस का कहना है कि मामला गंभीर है. इस तरह के मामलों में कुछ लोग बदनामी के डर से बच्चों को फेंक देते हैं, या लड़की पैदा होने पर मार दिया जाता है. इस मामले की जांच के लिए टीम को लगा दिया गया है. जैसे ही कोई सुराग मिलता है तो उस पर आगे की जांच की जाएगी और जो भी दोषी होगा उसे सजा दी जाएगी. वहीं, लोगों का कहना है कि जो भी इस तरह की हरकतें करता है, उसे कड़ी से कड़ी से सजा देनी चाहिए. लोगों को बच्चों को फेंकना नहीं चाहिए, बल्कि किसी जरूरतमंद को या अनाथालय में दे देना चाहिए।

डॉक्टर नहीं बचा सके जान

इसके बाद लोगों ने कोठी थाना पुलिस को फोन कर मौके पर बुला लिया. दूसरी ओर, सामुदायिक केंद्र के डॉक्टरों ने बच्ची का उपचार करना शुरू तो किया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी. इसके बाद बच्ची का पोस्टमॉर्टम कराया गया. इससे पता चला कि एक ओर बच्ची भूखी थी, दूसरी ओर उसे चीटियों ने बुरी तरह काटा है. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में चीटियों का जहर उसके शरीर में होने का पता चला।

तीन साल पहले जिस तारीख पर जिस हाईवे पर बची थी जान, वहीं उसी डेट पर आ गई मौत

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले की नागदा तहसील में 22 अप्रैल को दिल दहलादेने वाला हादसा हो गया. यहां स्टेट हाईवे पर एक शख्स को ट्रक ने रौंद दिया. इसी हाईवे पर तीन साल पहले इसी तारीख को उसकी जान बची थी. हादसा मंडी थाना इलाके में रात करीब सवा ग्यारह बजे हुआ. हादसे का सीसीटीवी फुटेज वायरल हो रहा है. इस फुटेज में दिखाई दे रहा है कि एक ट्रक चालक बाइक सवार को रौंदते हुए निकल जाता है. बाइक सवार दो युवक वहीं गिर जाते हैं, जिसमें से

एक की मौके पर ही मौत हो गई. दूसरे घायल का इलाज जारी है।

मंडी थाना प्रभारी श्याम चंद शर्मा ने बताया कि बाइक सवार युवक केशव की मौके पर मौत हो गई. बाइक पर पीछे बैठे राहुल का उपचार जारी है. उन्होंने बताया कि ट्रक को जब्त कर लिया गया है और ड्राइवर को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा. ड्राइवर ट्रक को एक ढाबे पर खड़ा कर फरार हो गया. पुलिस ने केशव के शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिवार के सुपुर्द कर दिया. पुलिस ने बताया कि ये पूरा मामला 22 अप्रैल रात 11 बज कर 13 मिनट का है. यहां नागदा-जावरा स्टेट हाईवे बेरछा फंटा पर एक ट्रक ने बाइक सवारों को अपनी चपेट में ले लिया. बाइक सवार केशव प्रताप उर्फ बिट्टू प्रकाश, नागदा निवासी और उसका दोस्त राहुल जोशी घूमने निकले थे।

सामने आई चौंकाने वाली बात

पुलिस ने बताया कि इस घटना का सीसीटीवी फुटेज हादसे के दो दिन बाद सामने आया. फुटेज में 5 सेकंड के हादसे में केशव की मौत हो गई. मृतक एक एवरफ्रेश की दुकान पर सेल्समैन था और उस दिन दुकान से जल्दी छुट्टी लेकर निकला था. कुछ लोगो का कहना है कि केशव 3 साल पहले ठीक इसी दिन 22अप्रैल को हादसे का शिकार हुआ था लेकिन बच गया और अब इसी दिन उसकी मौत की खबर चौंका देने वाली है।

महाराज बाड़े की तर्ज पर होगा दतिया किला चौक का विकास

भोपाल। किला चौक (बग्गी खाना) का विकास ग्वालियर के महाराज बाड़े के तर्ज पर किया जाएगा। क्षेत्र के रिडेसिफिकेशन के कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गृह मंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा दतिया में किला चौक (बग्गीखाना) में पुनर्घनत्वीकरण योजना में लगभग 69 करोड़ की लागत के 13 विकास एवं निर्माण कार्यों के भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दतिया के सर्वांगीण विकास में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता म.प्र. गृह निर्माण एवं अधो-संरचना विकास मंडल के अध्यक्ष (कैबीनेट मंत्री दर्जा) आशुतोष तिवारी ने की। म.प्र. गृह निर्माण एवं अधो-संरचना विकास मंडल के आयुक्त भरत यादव विशेष रूप से उपस्थित थे।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि किला चौक (बग्गी खान) को रिडेंसिफिकेशन योजना में सौंदर्यीकरण के साथ ही क्षेत्र का समुचित विकास किया जाएगा। सब्जी मंडी मार्ग को हाईवे से जोड़ा जायेगा। दुकानदरों को व्यवस्थित रूप से दुकानें भी दी जायेगी। डॉ. मिश्रा ने कहा कि योजना में सभी निर्माण कार्य एक वर्ष में पूर्ण कर लिये जायेंगे। किला चौक के सैदर्यीकरण से दतिया शहर का स्वरूप बदला नजर आयेगा।

पॉलिटिक्स: पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा- भुगतान नहीं होने स किसान परेशान

किसानों को भुगतान नहीं होने पर कमलनाथ से साधा सरकार पर निशाना

भोपाल। प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं और चना बेचने के बाद भी किसानों को भुगतान नहीं हो रहा है। प्रदेश के लाखों किसानों को भुगतान नहीं होने से प्रदेश का सियासी पारा चढ़ गया है। यहां अब तक ढाई लाख से ज्यादा किसान 20 लाख टन से ज्यादा गेहूं समर्थन मूल्य पर बेच चुके हैं, पर भुगतान नहीं हुआ। ऐसे में किसान न तो सहकारी समितियों से ऋण ले पा रहे हैं और न ही दूसरे जरूरी काम कर पा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने किसानों को भुगतान नहीं होने पर सरकार पर निशाना साधा है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्वीट कर कहा है कि प्रदेश में 28 मार्च से समर्थन मूल्य पर गेहूं और चने की खरीदी

शुरू हुई है. लेकिन, किसानों के खाते में राशि नहीं पहुंची है. खाद, बिजली, पानी के संकट और फसलों का मुआवजा नहीं मिलने से परेशान किसान अब भुगतान में हो रही देरी से परेशान है. कमलनाथ ने सरकार किसानों को जल्द राशि का भुगतान करने की मांग की है. वहीं, कांग्रेस विधायक कुणाल चौधरी ने कहा है कि सरकार को जल्द से जल्द किसानों को समर्थन मूल्य पर हुई खरीदी की राशि पहुंचाना चाहिए।

डिफॉल्टर हो रहे किसान

जानकारी के मुताबिक, भुगतान नहीं मिलने के कारण किसान सहकारी विभाग से डिफॉल्टर हो रहे हैं और 0त्न ब्याज योजना का लाभ भी उन्हें नहीं मिल पाया है. सरकार ने किसानों को ऋण जमा करने की अंतिम तारीख 28 मार्च से बढ़ाकर 15 अप्रैल की थी, ताकि 15 अप्रैल से पहले किसान अपनी बकाया राशि जमा कर डिफॉल्टर होने से बच जाएं और उन्हें जीरो फीसदी ब्याज दर पर योजना का लाभ मिल सके. लेकिन, समर्थन मूल्य पर अनाज बेचने के बाद किसानों को राशि का भुगतान नहीं होने से अब वह योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

जल्द दुरुस्त करेंगे व्यवस्था: बीजेपी

हालांकि, बीजेपी इस व्यवस्था को जल्द दुरुस्त करने की बात कर रही है. बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय सूचना केंद्र को आधार से लिंक खातों की जानकारी केंद्र सरकार के यूआइडीए से लेनी पड़ रही है और तकनीकी प्रक्रिया के कारण भुगतान में देरी हुई है. नए सॉफ्टवेयर के जरिए भुगतान जल्द से जल्द किया जाएगा. दरअसल प्रदेश में सरकार ने किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं-चना की खरीदी शुरू की थी. लेकिन, राशि का भुगतान नहीं होने के कारण किसानों की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं।

सहकारी समितियों के चुनाव की तैयारी

चुनाव से पहले मतदाता सूची का पुनरीक्षण कराया जाएगा

भोपाल। प्रदेश में अगले दो महीने में 22 हजार सहकारी समितियों के चुनाव कराए जाएंगे। सहकारिता चुनाव प्राधिकरण ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत समितियां मतदाता सूची का पुनरीक्षण करेंगी, दावे-आपत्ति बुलाएंगी और उनकी निराकरण होने के बाद मतदान की प्रक्रिया पूरी करेंगी। समितियों से 60 लाख से अधिक सदस्य जुड़े हैं, जिनमें सर्वाधिक 55 लाख किसान हैं।

राज्य सरकार ने प्रदेश में चुनावों का आगाज कर दिया है। सहकारी समितियों के चुनाव की अधिसूचना जारी हो गई है। यदि कोई विघ्न नहीं आया, तो अगले दो महीने में चुनाव करा लिए जाएंगे। इससे पहले समितियां मतदाता सूची का पुनरीक्षण करेंगी। इनमें डिफाल्टर सदस्यों के नाम काटे जाएंगे। इनमें से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के चुनाव वर्ष 2012 के बाद से नहीं हुए हैं, जो हर पांच साल में होने थे। जबकि अन्य समितियों के चुनाव भी एक साल से टल रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

अंतर्राष्ट्रीय मलेरिया दिवस पर दिलाई स्वच्छता की शपथ

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा आज से सभी जनमित्र केन्द्रों, क्षेत्रीय कार्यालयों एवं सीएससी पर प्रारंभ किए गए आयुष्मान कार्ड अभियान के शुभारंभ अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय मलेरिया दिवस के चलते कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर द्वारा उपस्थित सभी नागरिकों को स्वच्छता एवं साफ सफाई व मलेरिया, डेंगू से बचाव के लिए किए जाने वाले उपायों को लेकर शपथ दिलाई। इस अवसर पर मप्र बीज विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल, गौशाला के महंत श्री ऋषभ देव आनंद महाराज, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री कृष्ण राव दीक्षित, पूर्व पार्षद श्री दिनेश दीक्षित एवं नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल, सीएमएचओ डॉ मनीष शर्मा एवं मेडीकल डीपीएम श्री विजय भार्गव सहित बडी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे।

शहर सौंदर्यीकरण एवं सुगम यातायात के लिए निगम के मदाखलत अमले ने शहर भर से हटाए अनाधिकृत कटआउट व बैनर

ग्वालियर। स्वच्छ ग्वालियर, सुंदर ग्वालियर के साथ ही आमजनों को सुगम यातायात उपलब्ध कराने के लिए जहां नगर निगम के सभी विभागों द्वारा निरंतर कार्य कर रहा है, वहीं निगम के मदाखलत अमले द्वारा शहर सौंदर्यीकरण के लिए अभियान चलाकर शहर भर से अनाधिकृत रुप से लगे कटआउट व बैनर हटाए गए। नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देशन में नगर निगम ग्वालियर के अमले द्वारा स्वच्छ ग्वालियर व सुंदर ग्वालियर की परिकल्पना पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। स्वच्छता अमले द्वारा जनसहयोग से निरंतर स्वच्छता के क्षेत्र में अच्छा कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार निगम के मदाखलत अमले द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्र में अनाधिकृत रुप से बिना किसी की अनुमति के बडी संख्या में कटआउट व बैनर लगा दिए गए हैं जिनसे शहर के चौराहे व तिराहे खराब दिखते हैं। इसी को देखते हुए सोमवार को निगम के मदाखलत अमले द्वारा मदाखलत अधिकारी श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान एवं श्री सतेन्द्र सिंह भदौरिया के निर्देशन में तीन दलों द्वारा विशेष अभियान चलाया गया और सिटी सेंटर, गोविन्दपुरी, बारादरी चौराहा, 7 नम्बर चौराहा, गोले का मंदिर, इंदरगंज, पडाव, रेसकोर्स रोड, गांधी रोड, फूलबाग, दौलतगंज, महाराज बाडा, सराफा, हजीरा, चार शहर का नाका, बहोडापुर व तानसेन रोड सहित विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाकर अवैध रुप से लगे कटआउट व बैनर हटाए गए। नोडल अधिकारी मदाखलत श्री चौहान ने बताया कि निगमायुक्त श्री कन्याल के निर्देशन में शहर को साफ व सुंदर बनाने के लिए इस प्रकार का अभियान निरंतर चलता रहेगा।

निगम की आईईसी टीम ने घर-घर जाकर दिया स्वच्छता का संदेश

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा आमजनों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करने एवं अपने ग्वालियर को स्वच्छ ग्वालियर व सुंदर ग्वालियर के प्रति सहभागिता के लिए निरंतर जागरुकता अभियान चलाए जा रहे हैं जिसके तहत निगम के आईईसी टीम के सदस्यों द्वारा शहर भर के विभिन्न वार्डों में गली मोहल्लों में पहुंचकर आमनागरिकों को स्वच्छता के संबंध में जागरुक किया और सूखा व गीला कचरा अपने घर से ही अलग अलग करके देने का आग्रह किया। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देशन में ग्वालियर शहर को साफ व स्वच्छ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी के तहत आज दिनांक 25 अप्रेल को को आईईसी सर्वे की टीम ने डोर टू डोर जाकर स्वच्छता अभियान के बारे में जागरूक किया और गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग डिब्बे में डालने की अपील की। इसके साथ ही फीडबैक लिया। निगम की सर्वे टीम द्वारा वार्ड क्रमांक 37, 31, 34, 50, 51, 57, 48, 21, 38, 54, 55 ,46, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46 एवं कुछ विशेष स्थानों पर भी जाकर सिटीजन फीडबैक लिया। टीम के सदस्यों द्वारा सभी से सिटीजन फीडबैक देने कि अपील की एवं सूखा कचरा, गीला कचरा, जैविक अपशिष्ट कचरा, घरेलू हानिकारक कचरा आदि को अलग अलग करके सीधे कच? गा?ी में ही डालने की अपील की व महाराज बा? पर, सुभाष मार्केट, गांधी मार्केट, नजरबाग मार्केट, टोपी बाजार, दही मंडी, मोर बाजार, माधौगंज, छप्पर वाला पुल, सरकारी विद्यालय, पुलिस चौकी आदि स्थानों पर सर्वे किया।

30 अप्रेल तक सालभर का अग्रिम जलकर जमा बचाएं 180 रुपए

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा जलकर उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए 30 अप्रेल 2022 तक सालभर का अग्रिम जलकर एकसाथ जमा करने पर 180 रुपए की छूट प्रदान की जा रही है। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने शहर के जलकर उपभोक्ताओं से अग्रिम जलकर जमाकर छूट का लाभ उठाने की अपील की। उपायुक्त श्री एपीएस भदौरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि मप्र शासन के निर्देशानुसार आगामी 30 अपेल तक यदि जलकर उपभोक्ता द्वारा पूरे साल का जलकर एक साथ अग्रिम के रुप में जमा किया जाता है तो उसे कुल राशि में 180 रुपए की छूटप्रदान की जाए। उपायुक्त श्री भदौरिया ने बताया कि 150 रुपए प्रतिमाह के हिसाब से जलकर उपभोक्ता को 12 महीनों के कुल 1800 रुपए जलकर के रुप में जमा करने होते हैं, लेकिन अब शासन के निर्देशानुसार यदि जलकर उपभोक्ता द्वारा पूरे साल का जलकर एक साथ अग्रिम के रुप में जमा किया जाता है तो उसे कुल राशि में 180 रुपए की छूटप्रदान की जाएगी।

सिन्धु वेलफेयर सोसायटी द्वारा प्रारंभ किए गए शीतल जल प्याउ का निगमायुक्त ने किया शुभारंभ

ग्वालियर। सिन्धु वेलफेयर सोसायटी द्वारा आनंद मेट्रो टावर हुजरात पुल के पास आमनागरिकों को गर्मी से राहत प्रदान करने के उददेशय से पानी कूलिंग की मशीन लगाकर आज सोमवार से शीतल जल प्याउ प्रारंभ किया। शीतल जल प्याउ का शुभारंभ नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारी एवं क्षेत्र के नागरिकगण मौजूद रहे।

बेल्जियम के ल्यूविन शहर के साथ समन्वय बनाकर किया जाएगा शहर का विकास, ल्यूबिन एवं ग्वालियर के स्टार्टअप को किया जाएगा दुनियाभर में प्रमोट

ग्वालियर। यूरोपियन शहरों की तर्ज पर ग्वालियर का विकास करने के लिए इंटरनेशनल अरबन कार्पोरेशन द्वारा देश के 14 शहरों का चयन किया गया है, जिसमें ग्वालियर भी शामिल है। जिसमें ग्वालियर शहर का विकास बेल्जियम की ल्यूबिन सिटी के साथ समन्वय बनाकर दोनों शहरों के अच्छे कार्यों को एक दूसरे शहरों में प्रारंभ कराया जाएगा। इसके साथ ही शहर के स्टार्टअप एवं ल्यूबिन के स्टार्टअप को एक दूसरे के समन्वय से और बेहतर बनाने एवं इनक्यूबेशन सेवाएं और समर्थन के लिए प्रमोट किया जाएगा। यह जानकारी सोमवार को यूरोपियन यूनियन के इंटरनेशनल प्रतिनिध मिस्टर ग्रीथ, इंडियन कॉर्डीनेटर श्री आशीष वर्मा एवं नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल द्वारा संयुक्त रुप से चर्चा के दौरान दी गई।

स्थानीय बाल भवन के टेऊनिंग एवं लर्निंग सेंटर में आयोजित मीडिया चर्चा के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने बताया कि ग्वालियर शहर को बेल्जियम के ल्यूविन शहर के साथ यूरोपीय संघ द्वारा वित्त पोषित आईयूआरसी कार्यक्रम में शामिल किया गया है। उपरोक्त कार्यक्रम के तहत दोनों शहरों ने निम्नलिखित क्षेत्रों में सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की है। जिसमें बेहतर स्टार्टअप को इनक्यूबेशन सेवाएं और समर्थन के लिए आवश्यक प्रशिक्षण की व्यवस्था करना तथा टेक्निकल सर्पोट देना शामिल है। पर्यटन एवं हेरिटेज की दृष्टि से ग्वालियर को दुनियाभर में प्रमोट किया जाएगा। इसके साथ ही शहर की समृद्धशाली विरासत के संरक्षण व संवर्धन की योजना, शहर के सतत पर्यटन की योजना, शहरी आवास योजना के साथ ही शहरी परिवहन आदि की व्यवस्थाओं को लेकर दोनों शहरों की सर्वोत्तम कार्यों का अवलोकन कर एक दूसरे के समन्यव से बेहतर बनाया जाएगा। निगमायुक्त श्री कन्याल ने बताया कि हेरिटेज की दृष्टि से बेल्जियम के ल्यूविन शहर और ग्वालियर में काफी समानताएँ हैं। दोनों ही शहरों में अनमोल विरासत है तथा उनके संधारण एवं संरक्षण के लिए स्थानीय प्रशासन प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ ही आगामी 14 मई 2022 को ग्वालियर से 4 सदस्यीय दल बेल्जियम के ल्यूविन शहर में अध्ययन के लिए जाएगा। दल में निगम प्रशासक श्री आशीष सक्सैना, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल एवं स्थानीय कॉर्डीनेटर श्री शिशिर श्रीवास्तव शामिल रहेगें। इस दल के समस्त खर्चे यूरोपियन यूनियन द्वारा वहन किए जाएंगे। इंडियन कॉर्डीनेटर श्री आशीष वर्मा ने बताया कि इंटरनेशनल अरबन कॉर्पोरेशन द्वारा देशभर के 14 शहरों एवं यूरोपियन देशों के 14 शहरों का चयन कर आपस में दो-दो शहरों के जोडे बनाए गए हैं इन शहरों में आपस में अनुबंध भी संपादित कराया गया है। ग्वालियर एवं बेल्जियम की ल्यूबिन सिटी का जोडा बनाया गया है। इसके साथ ही देश के जिन 14 शहरों का चयन किया गया है। उनमें सूरत, चैन्नई, लखनउ, नागपुर, सोलापुर, साउथ देहली, विजयबाडा, पणजी, ग्वालियर, उदयपुर, कोच्चि एवं शिमला शामिल है। उन्होंने बताया कि यह प्रोग्राम 2023 तक चलेगा जिसमें विभिन्न स्तरों पर दोना सिटी आपस में एक्साचेन्ज प्रोग्राम चलाएंगी। इसके साथ ही अपन-अपनी बेस्ट प्रेक्टिसिस का आपस में आदान प्रदान करेगीं। चर्चा के दौरान स्थानीय कॉर्डीनेटर श्री शिशिर श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग सकारात्मक और पार्टी के विचारों के प्रचार और प्रसार के लिए हो- संगठन महामंत्री हितानंद जी

ग्वालियर। एक हजार कार्यकर्ता प्रत्येक विधानसभा से तैयार करना है, ट्विटर पर हैश टैग द्वारा महापुरुषों को याद करना, अपने और भाजपा पार्टी प्लेटफॉर्म से सकारात्मक तथा तथ्यात्मक जानकारी का प्रचार-प्रसार करना कार्यकर्ताओं का उद्देश्य होना चाहिए। पार्टी का विचार कैसे प्रचार बने और विभिन्न प्लेटफॉर्म के माध्यम से अंतिम ईकाई तक पार्टी का सकारात्मक संदेश तथा सरकार के अच्छे कामों ओर योजनाओं की जानकारी आमजन तक तुरन्त पहुंच सकें इसकी तैयारी होनी चाहिए और कार्यकर्ता खुशी के लिए नहीं, खुश होकर कार्य करे। उक्त उद्गार सोमवार को भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद शर्मा जी ने होटल नन्दगीरी पैलेस, गांधीनगर में आयोजित भाजपा ग्वालियर महानगर सोशल मीडिया टीम का जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किए।

इससे पहले प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

प्रशिक्षण में प्रदेश सह संयोजक सोशल मीडिया श्री शिशिर बड़कुल जी ने जिले की सोशल मीडिया टीम को प्रशिक्षण दिया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी, जिला सह प्रभारी श्री अरुण चतुर्वेदी, प्रदेश सह संयोजक आईटी श्री अभिनंदन त्यागी जी, महामंत्रीगण हरीश मेवाफरोश, विनोद शर्मा, जिला सोशल मीडिया संयोजक दीपक अग्रवाल, आईटी संयोजक श्री राघवेंद्र कुशवाह सहसंयोजक अरविंद रघुवंशी, सुनील मिश्रा, रूपक शर्मा, सोशल मीडिया प्लेटफार्म प्रभारी मनीष सोनी, संजीव मगरारिया, हेमन्त चोप?ा, विपिन भार्गव, सुमंत पाराशर, सुनील शर्मा, माता प्रसाद गोलारिया, संजय पवैया, पवन आदित्य राज, रोहित तिवारी, आदित्य सिंह भदौरिया , गजेंद्र शर्मा, रोबिन पाल सिंह, सुरेश सिंह सिकरवार, सिद्धार्थ शर्मा, पिछ?ा वर्ग मोर्चा से राजेन्द्र प्रताप सिंह कुशवाह, किसान मोर्चा से मनोज तिवारी,महिला मोर्चा से प्रियंका गर्ग, नीतू सिंह निगोटे उपस्थित रही।

प्रशिक्षण का संचालन जिला संयोजक सोशल मीडिया दीपक अग्रवाल एवं आभार जिला सहसंयोजक सोशल मीडिया अरविंद रघुवंशी ने व्यक्त किया।

आयुष्मान कार्ड से हर जरूरतमंद को मिलेगा अच्छी स्वास्थ्य सुविधा का लाभः सांसद श्री शेजवलकर

निगम द्वारा प्रारंभ किए गए अभियान के प्रथम दिन बने 113 आयुष्मान कार्ड

ग्वालियर। आयुष्मान कार्ड आज हम सभी के लिए कितना जरूरी है, यह एहसास तब होता है जब कोई बीमार गरीब अपने इलाज के लिए परेशान होता है। सरकार ने जरुरतमंद आमजनों की इसी परेशानी को समझते हुए विभिन्न श्रेणियों के पात्र नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने का संकल्प लिया है और आज से नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के सभी जरूरतमंदों को आसानी से निशुल्क आयुष्मान कार्ड मिले, इसके लिए विशेष अभियान चलाकर आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। आयुष्मान कार्ड से सभी नागरिकों को 5 लाख रुपए तक की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। उक्त आशय के विचार सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने नगर निगम ग्वालियर द्वारा आज से सभी जनमित्र केन्द्रों, क्षेत्रीय कार्यालयों एवं सीएससी पर प्रारंभ किए गए आयुष्मान कार्ड अभियान का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए। बालभवन के पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम के अवसर पर विशेष अतिथि के रुप में मध्य प्रदेश बीज विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल, गौशाला के महंत श्री ऋषभ देव आनंद महाराज, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री कृष्ण राव दीक्षित, पूर्व पार्षद श्री दिनेश दीक्षित एवं नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल एवं सीएमएचओ डॉ मनीष शर्मा सहित निगम के अधिकारी गण एवं ब?ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे। इस अवसर पर मध्य प्रदेश बीज विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल ने कहा कि आयुष्मान कार्ड आम जनों को निशुल्क एवं बिना किसी असुविधा के मिले इसके लिए नगर निगम द्वारा यह अभियान चलाया जा रहा है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री कृष्णराव दीक्षित ने आमजनों की सुविधा के लिए आयुष्मान योजना के तहत मिलने वाले लाभ की जानकारी प्रत्येक हॉस्पिटल में लगवाने की बात कही।

अवैध कॉंलोनियाँ विकसित करने वालों के खिलाफ कराएँ एफआईआरः कलेक्टर

अंतर विभागीय समनवय बैठक में दिए निर्देश

ग्वालियर। अवैध कॉंलोनियों में अवैध निर्माण तोड़ने के साथ साथ संबंधित कॉंलोनाइजर के खिलाफ पुलिस में एफआईआर भी दर्ज कराएँ। यह निर्देश कलेक्टर श्री कौशेलेन्द्र विक्रम सिंह ने अंतर विभागीय समन्वय बैठक में जिले के सभी एसडीएम एवं नगर निगम के अधिकारियों को दिए। उन्होंने जोर देकर कहा अवैध कॉंलोनी विकसित करने की प्रवृत्ति को सख्ती से रोका जाए।

सोमवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुए बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने नगर निगम के अधिकारियों एवं संबंधित एसडीएम को निर्देश दिए कि ग्वालियर शहर में अभियान बतौर अवैध कॉंलोनियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। बैठक में जानकरी दी गई कि एंटी माफिया अभियान के तहत मई माह के अंत तक शहर की लगभग 60 अवैध कॉंलोनियों के खिलाफ कार्रवाई कर दी जाएगी।

कलेक्टर श्री सिंह ने भू-माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई को और तेज करने पर जोर देते हुए कहा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के साथ कोई रियायत न हो। उन्होंने कहा सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने के साथ साथ दोषियों के खिलाफ एफआईआर भी कराएँ। कलेक्टर ने पुख्ता रणनीति बनाकर अवैध उत्खनन,परिवहन और भंडारण पर सख्ती से अंकुश लगाने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध शराब एवं मिलावटखोरी से जु? असामाजिक तत्वों के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जाए।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने वन,जनजाति कल्याण,लोक निर्माण,बैंकिग इत्याद से संबंधित शिकायतों के निराकरण में संतुष्टि का प्रतिशत कम होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिए प्रदेश में प्रथम 5 स्थान में शामिल होने का लक्ष्य रखकर सभी विभाग शिकायतों का निराकरण करें।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यापालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी ने सीएम राइस स्कूलों के लिए जल्द से जल्द जमीन की व्यवस्था करने के निर्देश सभी एसडीएम को दिए। साथ ही नया शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले सभी सरकारी स्कूलों की साफ-सफाई व एक रूपता के साथ पुताई कराने के लिए भी कहा। बैठक में सरकार के अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई।

जल सहेजने के लिए इस साल जिले में बनेंगे 200 तालाब

कलेक्टर श्री कौशेलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि इस साल की बरसात से पहले जिले में अमृत सरोवर अभियान के तहत हर हाल में 200 तालाबों का निर्माण कराएँ, जिससे इन तालाबों में बरसात के पानी को रोका जा सके। उन्होंने कहा तालाब निर्माण में सक्षम लोगों का भी सहयोग लें।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478